मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 8 अंक 266
मंगलवार, 14 अप्रैल 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

सीमेंट मिक्सर ट्रक और टैक्सी की टक्कर में 11 लोगों की मौत

कल्याण, 13 अप्रैल। कल्याण- मुरबाड़ मार्ग पर हुए भीषण सड़क हादसे ने पूरे क्षेत्र को दहला दिया। रायते गांव के निकट सुबह करीब 8:30 बजे सीमेंट मिक्सर ट्रक और काली-पीली टैक्सी के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि टैक्सी में सवार सभी 11 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर की तीव्रता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इको टैक्सी पूरी तरह चकनाचूर हो गई। गाड़ी के परखच्चे उड़ गए और यात्रियों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। दुर्घटना के बाद शव वाहन के भीतर ही फंसे रह गए, जिन्हें बाहर निकालने के लिए पुलिस और राहत-बचाव दल को काफी मशक्कत करनी पड़ी। सूचना मिलते ही टिटवाला पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। हादसे में जान गंवाने वाले अधिकांश लोग मुरबाड़ क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर है। कई परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घटनास्थल पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए, जिससे कुछ समय के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। पुलिस ने हालात संभालते

हुए यातायात बहाल कराया। कल्याण से मुरबाड़ के बीच चलने वाली काली-पीली इको टैक्सियों में क्षमता से अधिक सवारी भरने की शिकायतें लंबे समय से सामने आती रही हैं। बावजूद इसके ट्रैफिक पुलिस और आरटीओ की ओर से ठोस कार्रवाई नहीं होने के आरोप लगते रहे हैं। इस हादसे ने एक बार फिर व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मृतकों में 8 पुरुष, 3 महिलाएं

हादसे में जान गंवाने वाले सभी 11 यात्रियों में 8 पुरुष और 3 महिलाएं शामिल हैं। मृतकों की पहचान इस प्रकार हुई है–

प्रशांत उर्फ बबलू रुपेश चंदने (21), देवगांव, मुरबाड़

भूषण घोरपडे (49), अंधेरी, मुंबई - महसूल सहायक, जिजा गोविंदा केंबारी (50), टेंभरे, मुरबाड़, अनंता पवार, साखरे, मुरबाड़, दीपक गवली, निवासी कल्याण, गणपत जैनू मधे (32), देवरालवाड़ी, मुरबाड़, स्नेहा मोहपे (22), नारायणगांव, मुरबाड़, मानसी मोहपे (20), नारायणगांव, मुरबाड़, प्रथमेश मोहपे (17), नारायणगांव, मुरबाड़ अन्य दो मृतकों की पहचान अभी शेष है।

जांच जारी: हादसे की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। तेज रफ्तार, लापरवाही या अन्य तकनीकी कारणों को लेकर पुलिस जांच में जुटी है। टिटवाला पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

यह हादसा एक बार फिर सड़क सुरक्षा और नियमों के पालन की अनदेखी के गंभीर परिणामों की याद दिलाता है।

हिमंता देश के सबसे भ्रष्ट सीएम, हम डरेंगे नहीं: राहुल गांधी

नई दिल्ली, 13 अप्रैल। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने 31 जनवरी, 2026 को कहा कि असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुयान शर्मा पर कई पासपोर्ट रखने के आरोपों के बीच पार्टी अपने नेता पवन खेड़ा का समर्थन करती है। पर एक पोस्ट में गांधी ने हिमंता बिस्वा सरमा को देश का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री बताया और कांग्रेस के आरोपों की जांच की मांग की। उन्होंने लिखा कि असम के वर्तमान मुख्यमंत्री देश के सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री हैं। वे कानून से नहीं बचेंगे। अपने राजनीतिक विरोधियों और आलोचकों को परेशान करने के लिए सत्ता का दुरुपयोग करना संविधान के खिलाफ है। उठाए जा रहे सवालों की जांच होनी चाहिए। पारदर्शिता, सत्ता की जवाबदेही और कानून का शासन हमारे संवैधानिक मूल्यों का आधार हैं। कांग्रेस पार्टी पवन खेड़ा के साथ खड़ी है। हम डरेंगे नहीं। ये टिप्पणियां असम पुलिस द्वारा

तेलंगाना उच्च न्यायालय के उस फैसले के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में अपील करने के बाद आईं, जिसमें पवन खेड़ा को 10 अप्रैल से एक सप्ताह के लिए कुछ शर्तों के साथ पारगमन जमानत दी गई थी। जमानत आदेश के अनुसार, खेड़ा को उचित कानूनी राहत पाने के लिए असम की सक्षम न्यायालय में जाना होगा। कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने आरोप लगाया था कि रिनिकी भुयान शर्मा के पास तीन पासपोर्ट हैं और मुख्यमंत्री के परिवार, जिनमें उनका बेटा भी शामिल है, का अमेरिका में 52,000 करोड़ रुपये का कारोबार है। असम की मुख्यमंत्री ने इन दावों का खंडन किया। इन आरोपों के बाद, रिनिकी भुयान शर्मा ने खेड़ा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई और असम पुलिस ने उनके आवास पर तलाशी ली। 10 अप्रैल को असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की आलोचना करते हुए उनकी प्रतिक्रिया को घबराहट और हताशा बताया। एएनआई से बात करते हुए गोगोई ने कहा कि मुझे लगता है कि मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा पूरी तरह से घबरा गए हैं। वे दहशत में हैं। उन्हें उम्मीद नहीं थी कि खबरें इतनी वायरल हो जाएंगी। इसलिए, पिछले 5-6 दिनों से वे सचमुच अपने बाल नोच रहे हैं। उनकी हताशा उनके शब्दों, कार्यों और चेहरे पर साफ झलकती है। मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि सिर्फ चिल्लाने से सच झूठ नहीं बन जाता; सिर्फ यह दिखाने से कि आपके पास जांच करने की शक्ति है, तथ्य काल्पनिक नहीं हो जाता।

जापान का दो टूक संदेश: फिलहाल होरमुज में सैनिक भेजने का कोई इरादा नहीं

जापान, 13 अप्रैल। जापान (खंस्त्रंल्ल) ने Strait of Hormuz में अपने सेल्फ-डिफेंस फोर्स भेजने को लेकर अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया है। यह जानकारी सरकार के मुख्य कैबिनेट सचिव Minoru Kihara ने दी। उन्होंने कहा कि फिलहास ऐसा कोई इरादा नहीं है और सबसे जरूरी बात यह है कि क्षेत्र में तनाव कम हो और समुद्री रास्तों पर सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित हो। जापान का मानना है कि पहले शांति और स्थिरता स्थापित होनी चाहिए, उसके बाद ही किसी सैन्य कार्रवाई पर विचार किया जा सकता है।

इससे पहले, जापान के विदेश मंत्री Toshimitsu Motegi ने संकेत दिया था कि यदि युद्धविराम हो जाता है और समुद्र में बिछाई गई बारूदी सुरंगें जहाजों के लिए खतरा

बनती हैं, तो जापान अपनी उन्नत `inesweeping तकनीक के जरिए मदद कर सकता है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ऐसा कोई भी कदम तभी उठाया जाएगा जब सभी पक्षों के बीच सीजफायर हो और अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत कार्रवाई संभव हो। यह मुद्दा हाल ही में हुए जापान-अमेरिका शिखर सम्मेलन में भी उठा था, जहां Donald Trump ने जापान की संवैधानिक सीमाओं को समझने का संकेत दिया। जापान का संविधान उसकी सैन्य गतिविधियों पर कई तरह की पाबंदियां लगाता है।

मौजूदा हालात में Iran, United States Israel के बीच बढ़ते तनाव ने पूरे क्षेत्र को अस्थिर बना दिया है। इसका सीधा असर वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ रहा है।जापान के लिए यह स्थिति बेहद अहम है, क्योंकि वह अपनी 90% से ज्यादा तेल जरूरतें मध्य-पूर्व से पूरी करता है। ऐसे में होरमुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा उसके लिए रणनीतिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है। जापान फिलहाल सावधानी से कदम उठा रहा है। वह सीधे सैन्य भूमिका में उतरने से पहले कूटनीतिक समाधान और शांति बहाली को प्राथमिकता दे रहा है, ताकि ऊर्जा आपूर्ति और वैश्विक व्यापार सुरक्षित रह सके।

पश्चिम बंगाल बमों का जवाब वोटों से देगा, बनेगी डबल इंजन वाली सरकार: अमित शाह

कोलकता, 13 अप्रैल। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता बमों का जवाब वोटों से देगी। साथ ही उन्होंने वादा किया कि जब मतदाता "तृणमूल सरकार को विदा करेंगे" तो भाजपा "सिंडिकेट और रिश्वतखोरी को बढ़ावा देने वालों को सीधा करने के लिए उन्हें उल्टा लटकाएगी।" शाह ने बीरभूम जिले के मयूरेश्वर और खैरासोल क्षेत्रों तथा पश्चिम बर्धमान के रानीगंज में चुनावी रैलियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि बंगाल में भाजपा सरकार बनाएगी, क्योंकि राज्य की जनता ने तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी को "टाटा-बाय-बाय" कहने का मन बना लिया है।

उन्होंने कहा, " लोग ममता सरकार को विदा कर दें, इसके बाद भाजपा सिंडिकेट और रिश्वतखोरी को बढ़ावा देने वालों को सीधा करने के लिए उन्हें उल्टा लटकाने का

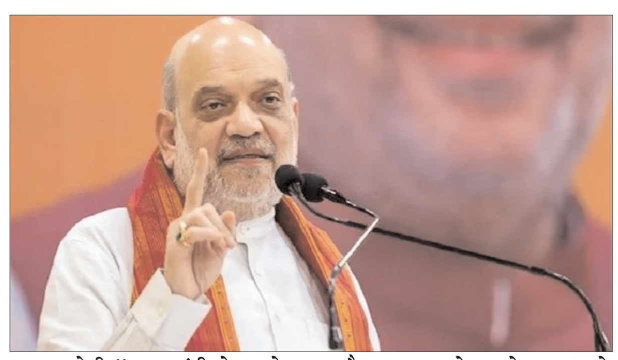

काम करेगी।" गृह मंत्री ने आरोप लगाया कि तृणमूल से संरक्षण पाए अपराधियों ने लंबे समय से बंगाल में भाजपा कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित किया है। उन्होंने कहा कि पांच मई के बाद यानी मतगणना के एक दिन बाद, भाजपा कार्यकर्ता अपने उत्पीड़कों को 'उनके गढ़' से खींचकर निकालेंगे और उन्हें न्याय के कटघरे में लाएंगे।

शाह ने कहा, " मैं तृणमूल के गुंडों को सलाह देता हूं कि वे 23 अप्रैल (मतदान के पहले चरण) को अपने घरों में ही रहें, अन्यथा हम उन्हें चार मई को एक-एक करके उठाएंगे और जेल में डाल देंगे।" बीरभूम में पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को होगा। दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा और मतगणना चार मई को होगी। अपनी पार्टी के चुनाव घोषणापत्र का जिक्र करते हुए शाह ने कहा, सत्ता में आने के बाद भाजपा बंगाल में निवेश को बढ़ावा देने के लिए पांच औद्योगिक संपदाएं बनाएगी।

शाह ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी राज्य के बहुसंख्यक समुदाय को डराने की कोशिश कर रही हैं और कहा कि यह चुनाव राज्य और देश से घुसपैठियों को बाहर निकालने का है। शाह ने प्रश्नात्मक लहजे में कहा, "दीदी, हम यहां सदियों से रह रहे हैं। हमें धमकाने वाली आप कौन हैं?" शाह ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के शासनकाल में मुर्शिदाबाद में दंगे हुए, राम नवमी शोभायात्रा पर हमले किए गए और कुछ स्थानों पर सरस्वती पूजा की अनुमति नहीं दी गई।

कांग्रेस और तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी पर 550 वर्षों तक राम लला को तम्बू में रखने का समर्थन करने का आरोप लगाते हुए शाह ने कहा कि "प्रधानमंत्री मोदी ने अयोध्या में राम मंदिर बनवायाऱ। शाह ने कहा, "हुमायूं कबीर ममता बनर्जी का मोहरा है। वह बंगाल में बाबरी मस्जिद बनवाना चाहते हैं, लेकिन भाजपा यह कभी होने नहीं देगी।" केंद्रीय गृह मंत्री ने अवैध प्रवास के मुद्दे पर ममता बनर्जी सरकार पर निशाना साधते हुए पूछा, " क्या मुख्यमंत्री या उनके भतीजे (अभिषेक बनर्जी) घुसपैठियों को बाहर निकाल सकते हैं? उन्होंने तो सीमा पर तारबंदी के लिए जमीन तक आवंटित नहीं की।"

पश्चिम बर्धमान के रानीगंज में एक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, " ममता बनर्जी सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन नहीं दे रही हैं, बल्कि बंगाल में घुसपैठ के लिए बीएसएफ को दोषी ठहरा रही हैं।ऱ शाह ने कहा कि भाजपा पश्चिम बंगाल में सत्ता संभालने के 45 दिनों के भीतर बांग्लादेश के साथ भारत की सीमाओं पर बाड़ लगाने के लिए भूमि आवंटन का काम पूरा कर लेगी।

रिक्शा चालकों को मराठी सीखने के लिए समय देने की मांग

रमेश प्रजापति

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक से हाल ही में एक प्रतिनिधिमंडल के सौजन्य मुलाकात कर रिक्शा चालकों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को मंत्री के समक्ष रखा गया।

प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि राज्य में कार्यरत ऐसे रिक्शा चालकों, जिन्हें मराठी भाषा का पर्याप्त ज्ञान नहीं है, उन्हें मराठी सीखने के लिए सरकार की ओर से उचित समय और सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही सुझाव दिया गया कि सरकार द्वारा प्रशिक्षण केंद्र, जागरूकता अभियान और सरल भाषा शिक्षण कार्यक्रम शुरू किए जाएं, ताकि चालक आसानी से मराठी सीख सकें। मंत्री महोदय ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और सकारात्मक विचार करने का आश्वासन दिया।

प्रफुल्ल हिंगे के ड्रीम डेब्यू ने राजस्थान के विजय रथ को रोका, हैदराबाद को मिली दूसरी जीत

नई दिल्ली, 13 अप्रैल। कहते हैं क्रिकेट अनिश्चित्ताओं का खेल है और इस खेल की ये विशेषता कब मैदान पर दर्शन दे जाए कोई नहीं जानता। तभी अपनी तूफानी बैटिंग के लिए मशहूर राजस्थान रॉयल्स की सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद के सामने हालत ये हुई की उसे 57 रनों से आईपीएल-2026 की अपनी

पहली हार झेलनी पड़ी। हार भी ऐसी जो सदियों तक याद रहेगी। हैदराबाद के छह विकेट के 216 रनों के स्कोर के सामने राजस्थान 19 ओवरों में 189 रनों पर ही ढेर हो गई।

राजस्थान का ये हाल किया दो नए चेहरों ने। इसमें से एक का नाम है प्रफुल्ल हिंगे जो अपना पहला आईपीएल मैच खेल रहे थे। पहले ही ओवर में प्रफुल्ल ने जो कहर ढाया उससे राजस्थान उभर नहीं पाई और उसे हार मिली। प्रफुल्ल ने पहले ही ओवर में तीन विकेट लिए और सिर्फ एक रन दिए। ओवर की दूसरी गेंद पर उन्होंने वैभव सूर्यवंशी, चौथी गेंद पर ध्रुव जुरेल और आखिरी गेंद पर लुहान डी प्रीटोरियस को पवेलियन भेज दिया। इनमें से कोई भी खाता नहीं खोल पाया। ये आईपीएल इतिहास में पहली बार है कि किसी गेंदबाज ने पहले ही ओवर में तीन विकेट लिए हों। प्रफुल्ल से पहले कोई और गेंदबाज ये काम नहीं कर सका था।

दूसरे ओवर में एक और नए गेंदबाज साकिब हुसैन ने यशस्वी जायसवाल की पारी का अंत कर दिया। यशस्वी खाता खोलने में सफल रहे और एक रन बना पाए। लेकिन प्रफुल्ल को अभी और कहर बरपाना था।

सुप्रीम कोर्ट से लालू यादव को बड़ा झटका

नई दिल्ली। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने कथित 'जमीन के बदले नौकरी' घोटाले में आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के खिलाफ सीबीआई की एफआईआर और चार्जशीट रद्द करने से इनकार कर दिया, जिससे बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री को कानूनी झटका लगा। सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में यादव और उनके परिवार के कई सदस्यों के खिलाफ एफआईआर और संबंधित कार्यवाही रद्द करने की उनकी याचिका खारिज कर दी। हालांकि, न्यायालय ने उन्हें कार्यवाही के दौरान निचली अदालत में व्यक्तिगत रूप से पेश होने से छूट दे दी। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने हालांकि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री यादव (77) को सुनवाई के दौरान निचली अदालत में पेश होने से छूट दे दी।

सूचना

संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की जयंती के अवसर पर उत्तरशक्ति प्रेस दिंनाक 14 अप्रैल को बंद रहेगा अगला अंक 16 अप्रैल को प्रकाशित होगा।

– संपादक

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनवाने के लिए
सम्पर्क करें: 9199355950

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

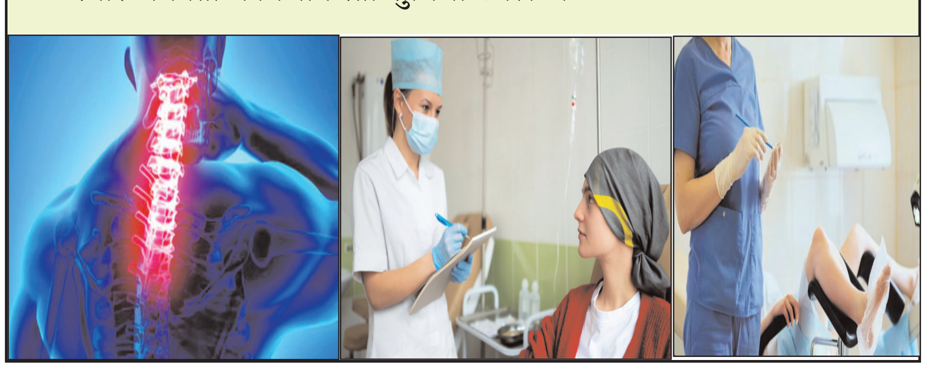

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
• Std. XI & XII (Sci.)
• NEET
• JEE (Main & Advance)
• MHT-CET
• Polytechnic & Engg
• Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

सामाजिक न्याय एवं समानता के पुरोधा पुरुष थे डॉ. अंबेडकर

-ललित गर्ग

आधुनिक भारत के निर्माण की जब भी चर्चा होती है, तो डॉ. भीमराव अंबेडकर का व्यक्तित्व एक ऐसे विराट स्तंभ के रूप में सामने आता है, जिसने न केवल संविधान की रचना की, बल्कि भारतीय समाज की आत्मा को समता, न्याय और मानवीय गरिमा के मूल्यों से अनुप्राणित किया। डॉ. अंबेडकर एक प्रसिद्ध राजनीतिक नेता, दार्शनिक, लेखक, अर्थशास्त्री, न्यायविद्, बहु-भाषाविद्, धर्म-दर्शन के विद्वान और एक समाज सुधारक थे, जिन्होंने भारत में अस्पृश्यता और सामाजिक असमानता के उन्मूलन के लिये अपना जीवन समर्पित कर दिया। निश्चित ही वे केवल एक विधिवेत्ता या राजनेता ही नहीं थे, बल्कि एक ऐसे दूरदर्शी चिंतक थे, जिन्होंने भारतीय समाज की गहराई में पैठे जातिगत अन्याय, सामाजिक विषमता और आर्थिक शोषण को समझा और उसके समाधान के लिए ठोस वैचारिक एवं संस्थागत आधार प्रदान किया। आज नया भारत, विकसित भारत और समृद्ध भारत की जो अवधारणा हमारे सामने है, उसकी जड़ें अंबेडकर की सोच, नीतियों और संविधान में निहित हैं।

डॉ. अंबेडकर का जीवन स्वयं में एक संघर्षगाथा है। एक अस्पृश्य माने जाने वाले परिवार में जन्म लेकर उन्होंने जो अपमान, भेदभाव और पीड़ा झेली, वही उनके भीतर परिवर्तन का संकल्प बनकर उभरी। उन्होंने शिक्षा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाया और कोलंबिया विश्वविद्यालय तथा लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से उच्च शिक्षा प्राप्त कर यह सिद्ध किया कि प्रतिभा किसी जाति या वर्ग की मोहताज नहीं होती। उनका यह विश्वास कि शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो केवल एक नारा नहीं, बल्कि सामाजिक क्रांति का सूत्र था। अंबेडकर के चिंतन का मूल आधार सामाजिक न्याय था। उनका स्पष्ट मत था कि जब तक समाज में समता स्थापित नहीं होती, तब तक राजनीतिक स्वतंत्रता अधूरी है। वे मानते थे कि केवल आर्थिक विकास से सामाजिक विषमता समाप्त नहीं होगी, बल्कि इसके लिए सामाजिक संरचना में आमूल-चूल परिवर्तन आवश्यक है। इसी दृष्टि से उन्होंने जाति व्यवस्था को भारतीय समाज का सबसे बड़ा शत्रु माना और उसके उन्मूलन के लिए आजीवन संघर्ष किया। उनकी प्रसिद्ध कृति जाति का विनाश में उन्होंने स्पष्ट किया कि जाति केवल सामाजिक विभाजन नहीं, बल्कि मानवता के खिलाफ एक सुनियोजित अन्याय है।

भारतीय संविधान के निर्माण में अंबेडकर की भूमिका उनकी दूरदर्शिता और व्यावहारिक बुद्धिमत्ता का उत्कृष्ट उदाहरण है। संविधान में उन्होंने समानता, स्वतंत्रता, बंधुत्व और न्याय के सिद्धांतों को इस प्रकार समाहित किया कि यह दस्तावेज न केवल शासन का आधार बना, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का माध्यम भी बना। मौलिक अधिकारों, विधि के समक्ष समानता, अस्पृश्यता उन्मूलन (अनुच्छेद 17), आरक्षण व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा के प्रावधान उनके उस दृष्टिकोण को दर्शाते हैं, जिसमें हर नागरिक को समान अवसर और गरिमा के साथ जीने का अधिकार प्राप्त हो। डॉ. अंबेडकर का संवैधानिक नैतिकता का सिद्धांत आज भी अत्यंत प्रासंगिक है। उनका मानना था कि केवल संविधान बना देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसके मूल्यों को समाज और शासन दोनों में आत्मसात करना आवश्यक है। उन्होंने चेतावनी दी थी कि यदि सामाजिक और आर्थिक असमानताएं बनी रहीं, तो राजनीतिक लोकतंत्र भी खतरे में पड़ सकता है। आज जब भारत विविधताओं से भरे समाज के रूप में आगे बढ़ रहा है, तब यह सिद्धांत हमें संतुलन और समन्वय की दिशा दिखाता है।

अंबेडकर केवल सामाजिक सुधारक ही नहीं, बल्कि एक प्रखर आर्थिक चिंतक भी थे। उन्होंने औद्योगीकरण, श्रमिक अधिकारों, जल संसाधन प्रबंधन और वित्तीय विकेंद्रीकरण जैसे विषयों पर गहन विचार प्रस्तुत किए। भारतीय रिजर्व बैंक की अवधारणा से लेकर श्रम कानूनों के निर्माण तक उनके विचारों का प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। वे मानते थे कि आर्थिक सशक्तिकरण के बिना सामाजिक न्याय अधूरा है, इसलिए उन्होंने दलितों और वंचितों को केवल सामाजिक सम्मान ही नहीं, बल्कि आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर भी प्रेरित किया। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी अंबेडकर का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने हिंदू कोड बिल के माध्यम से महिलाओं को संपत्ति के अधिकार, विवाह और तलाक में समानता दिलाने का प्रयास किया। यद्यपि तत्कालीन परिस्थितियों में इस विधेयक को पूर्ण रूप से पारित नहीं किया जा सका, लेकिन उनके प्रयासों ने भारतीय समाज में लैंगिक समानता की नींव रखी। आज भारतीय महिलाएं जो अधिकार और स्वतंत्रता का अनुभव कर रही हैं, उसमें अंबेडकर की दूरदर्शिता का महत्वपूर्ण योगदान है।

धार्मिक दृष्टि से भी अंबेडकर का चिंतन अत्यंत गहन और मानवीय था। उन्होंने धर्म को आस्था का नहीं, बल्कि नैतिकता और सामाजिक व्यवस्था का विषय माना। 1956 में बौद्ध धर्म स्वीकार कर उन्होंने यह संदेश दिया कि धर्म वह होना चाहिए जो मानव को समानता, करुणा और विवेक की ओर ले जाए। उनका यह कदम केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं था, बल्कि सामाजिक क्रांति का प्रतीक था। समकालीन भारत में अंबेडकर की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। जब हम डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत की बात करते हैं, तो यह आवश्यक है कि इन पहलों का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। अंबेडकर का समावेशी विकास का दृष्टिकोण हमें यही सिखाता है कि विकास तभी सार्थक है, जब उसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी हो। आज भी यदि कहीं सामाजिक भेदभाव, आर्थिक असमानता या अवसरों की विषमता दिखाई देती है, तो यह हमें अंबेडकर के अधूरे सपनों की याद दिलाती है।

निश्चित ही डॉ. भीमराव अंबेडकर केवल एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व नहीं, बल्कि एक जीवंत विचारधारा हैं। उनका जीवन और कार्य हमें यह सिखाता है कि परिवर्तन केवल सत्ता से नहीं, बल्कि विचार, शिक्षा और संघर्ष से आता है। आधुनिक भारत की जो मजबूत नींव आज हमें दिखाई देती है, वह अंबेडकर के दूरदर्शी नेतृत्व और संवेदनशील चिंतन का परिणाम है। यदि भारत को वास्तव में विकसित, समृद्ध और न्यायपूर्ण राष्ट्र बनाना है, तो अंबेडकर के आदर्शों को केवल स्मरण करना ही नहीं, बल्कि उन्हें जीवन और नीतियों में उतारना होगा। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी और यही भारत के उज्ज्वल भविष्य की दिशा भी। भारत में जाति आधारित असमानता अभी भी कायम है, जबकि दलितों ने आरक्षण के माध्यम से एक राजनीतिक पहचान हासिल कर ली है और अपने स्वयं के राजनीतिक दलों का गठन किया है, किंतु सामाजिक आयामों (स्वास्थ्य और शिक्षा) तथा आर्थिक आयामों का अभी भी अभाव है। सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और राजनीति के सांप्रदायिकरण का उदय हुआ है। भारत के लिए डॉ. भीमराव अंबेडकर का दृष्टिकोण सर्वोपरि था-इसने हमारे राष्ट्रीय जीवन के हर पहलू को छुआ। कानून में, उन्होंने सुनिश्चित किया कि प्रत्येक नागरिक को संवैधानिक उपचारों का अधिकार मिले; अर्थव्यवस्था में, उन्होंने राज्य-नेतृत्व वाली कल्याणकारी व्यवस्था, भूमि सुधार और अवसरों की समान पहुँच की परिकल्पना की; शिक्षा में, उन्होंने वैज्ञानिक सोच और तर्कपूर्ण चिंतन को बढ़ावा दिया, और प्रसिद्ध रूप से घोषणा की कि मन का विकास ही मानव अस्तित्व का अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। सामाजिक सुधार में, उन्होंने इस देश में अब तक के सबसे साहसी नागरिक अधिकार आंदोलन चलाया-मतों के लिए नहीं, बल्कि गरिमा के लिए। बाबासाहेब का हर कार्य प्रत्येक भारतीय के लिए था, समाज के अंतिम व्यक्ति के लिये और उनकी सच्ची महानता यहीं निहित है: एक ऐसे राष्ट्र का निर्माण करना जो अपने सबसे कमजोर लोगों के बारे में पहले सोचता है। अंबेडकर का मानना था कि भेदभाव पर आधारित समाज प्रगति नहीं कर सकता, और अपने देश में समानता सुनिश्चित किए बिना कोई राष्ट्र वैश्विक स्तर पर नेतृत्व नहीं कर सकता। उनकी राजनीति और नैतिक दूरदृष्टि तात्कालिकता से कहीं आगे तक फैली हुई थी। उन्होंने ऐसे भारत की कल्पना की थी जो एक दिन केवल अपनी सैन्य शक्ति या अर्थव्यवस्था के बल पर नहीं, बल्कि न्याय और करुणा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के बल पर प्रभावित करेगा। आज जब भारत वैश्विक मंचों की अध्यक्षता कर रहा है, वैश्विक दक्षिण के लिए आवाज उठा रहा है, और स्थिरता, डिजिटल नवाचार और लोकतंत्र जैसे मुद्दों पर नेतृत्व कर रहा है, तो हमें यह याद रखना चाहिए कि यह दृष्टिकोण उस व्यक्ति के प्रयासों से संभव हुआ है जिसने 75 वर्ष पहले इसकी कल्पना करने का साहस किया था, जब हमारे पास दूरदृष्टि के अलावा कुछ भी नहीं था।

बंगाल चुनाव से पहले बीजेपी का 33 फीसदी महिला आरक्षण दांव

-अजय कुमार

भारतीय राजनीति में एक नया अध्याय लिखा जाने वाला है। केंद्र सरकार 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने जा रही है। इसके लिए पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से करीब एक सप्ताह पूर्व 16 से 18 तक तीन दिनों का विशेष लोकसभा सत्र बुलाया गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आगामी विशेष संसद सत्र को लेकर अपने सभी सांसदों के लिए सख्त निर्देश जारी किए हैं। पार्टी ने लोकसभा और राज्यसभा के सभी सदस्यों के लिए तीन लाइन का व्हिप जारी करते हुए 16 से 18 अप्रैल तक सदन में अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा है। पार्टी की ओर से स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि इस अवधि के दौरान किसी भी सांसद या केंद्रीय मंत्री को छुट्टी नहीं दी जाएगी। सभी सदस्यों को लगातार सदन में उपस्थित रहने और संसद की कार्यवाही में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा गया है। सूत्रों के अनुसार, यह विशेष संसद सत्र महिला आरक्षण संशोधन विधेयक पर चर्चा के लिए बुलाया गया है। सरकार का लक्ष्य इस ऐतिहासिक विधेयक पर व्यापक बहस और आगे की प्रक्रिया को तेज करना है, जिस पर सियासत भी तेज हो गई है। नई आरक्षण व्यवस्था के साथ लोकसभा में सीटों की संख्या भी बढ़ जाएगी। यह कदम महज एक कानूनी संशोधन नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी राजनीतिक रणनीति है, जिसमें एक साथ सामाजिक न्याय, महिला सशक्तिकरण और चुनावी लाभ तीनों का समागम है। लोकसभा सत्र बुलाए जाते ही विपक्ष ने सियासत शुरू कर दी है। अभी से महिला आरक्षण में दलितों-पिछड़ों के लिये भी अलग कोटा की मांग उठने लगी है।

उधर, बात बीजेपी सरकार की की जाये तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में सत्ता संभालते ही महिलाओं को अपनी सरकार के केंद्र में रखा है। 33 प्रतिशत महिला आरक्षण इसी कड़ी की नई इकाई है। महिलाओं के हित में मोदी सरकार द्वारा उठाये गये अन्य कदमों की बात की जाये तो उज्ज्वला योजना के तहत अब तक 10 करोड़ से अधिक महिलाओं को मुफ्त एलपीजी कनेक्शन दिए गए, जिससे धुएं से मुक्त रसोई और स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित हुई। इसके साथ ही 12 करोड़ से अधिक शौचालय बनाए गए, जिससे महिलाओं की सुरक्षा और गरिमा को मजबूती मिली और 100 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालयों की सुविधा उपलब्ध हुई। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ (2015), सुकन्या समृद्धि योजना, मुद्रा ऋण, जन धन खाते और पीएम आवास योजना में महिलाओं के नाम पर संपत्ति ये सब मिलकर एक ऐसा ताना-बाना बुनते हैं, जिसमें देश की आधी आबादी को सीधे तौर पर सरकारी लाभ की अनुभूति होती है। इन योजनाओं का सीधा असर मतपेटी पर भी पड़ा। जो महिलाएं पहले घर से बाहर निकलकर वोट देने में हिचकिचाती थीं, वे आज एक सक्रिय मतदाता वर्ग बन चुकी हैं। 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में महिला मतदाताओं की भागीदारी ऐतिहासिक रही। विशेष रूप से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में महिलाओं ने खुलकर मोदी के पक्ष में वोटिंग की, जो किसी भी राजनीतिक विश्लेषक की नजर से नहीं छूटी।

अब मोदी सरकार इस संबंध को और गहरा करने की दिशा में अपना सबसे बड़ा दांव खेलने जा रही है। सरकार 2029 के लोकसभा चुनावों से पहले महिला आरक्षण लागू करने के लिए संशोधन बिल लाने की तैयारी में है, जो लम्बे समय से प्रस्तावित था। बजट सत्र में पेश होने वाले इस विधेयक पर विपक्षी दलों से बातचीत तेज हो गई है। असल में यह मामला इतना सीधा नहीं है। महिला आरक्षण बिल सितंबर 2023 में संसद के विशेष सत्र में पास हुआ था। इस कानून के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को एक तिहाई सीटें दी जाएंगी। लेकिन इसे लागू करने के लिए पहले नई जनगणना और उसके बाद परिसीमन जरूरी था। यानी 2023 में पास होने के बावजूद यह कानून कागज पर ही रहा। अब सरकार उस शर्त को बदलने की तैयारी में है। सरकार नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन के साथ ही संविधान संशोधन लाने की भी तैयारी कर रही है। यह संविधान संशोधन इसलिए लाया जाएगा, जिससे साल 2011 की जनगणना के आधार पर लोकसभा में सीटें बढ़ाई जा सकें और 2029 के आम चुनाव में महिला आरक्षण लागू किया जा सके। साल 2011 की जनगणना के आधार पर 2029 के लोकसभा चुनाव में सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर 816 की जा सकती है और इसमें महिलाओं के लिए 273 सीटें आरक्षित की जा सकती हैं।

बहरहाल, बात सिर्फ आरक्षण की नहीं है, बल्कि लोकसभा की संरचना को ही बदल देने की है। 543 से 816 सीटें यह संख्या में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि है। इन बिलों को पास कराने के लिए संसद में दो-तिहाई बहुमत की जरूरत होगी, इसलिए सरकार एनडीए के साथ-साथ विपक्षी दलों जैसे सपा, आरजेडी और वाईएसआर कांग्रेस से भी समर्थन मांग रही है। इसी कड़ी में गृहमंत्री अमित शाह ने महिला आरक्षण बिल में संशोधन को लेकर शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी (शरद पवार) जैसे विपक्षी दलों के नेताओं के साथ बातचीत की है। शुरूआत में गृहमंत्री ने छोटे विपक्षी दलों के नेताओं के साथ बातचीत की है और कांग्रेस जैसी प्रमुख विपक्षी पार्टी और अन्य बड़े दलों के साथ बातचीत अभी बाकी है। कांग्रेस के लिए यह बिल एक नैतिक दुविधा की स्थिति है। एक तरफ वह महिला आरक्षण की समर्थक रही है और राहुल गांधी ने खुद इसे जल्द लागू करने की मांग की थी। दूसरी तरफ इस बिल का खुलकर समर्थन करना मोदी को एक ऐतिहासिक राजनीतिक उपलब्धि का श्रेय देना होगा। हालांकि संकेतों से साफ है कि मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को महिला आरक्षण लागू करने की पहल का समर्थन करने में कोई दिक्कत नहीं होगी, लेकिन असली बेचैनी उन दलों में है जो जातिगत समीकरणों पर टिके हैं। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि महिला आरक्षण लैंगिक न्याय और सामाजिक न्याय का संतुलन होना चाहिए। यह बयान देखने में संतुलित लगता है, लेकिन इसके पीछे की राजनीति बहुत गहरी है। समाजवादी पार्टी, राजद तथा द्रमुक जैसे दलों की ओर से महिलाओं के लिए आरक्षण कोटे में ओबीसी, एससी-एसटी वर्ग के लिए अलग से कोटे की मांग उठाई जा सकती है। विपक्षी दलों ने महिला आरक्षण के भीतर ओबीसी कोटा शामिल करने की मांग उठाई है, जिससे सहमति बनाना चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। यह मांग तकनीकी रूप से जटिल है, क्योंकि ओबीसी के लिए संसद में आरक्षण का अभी कोई संवैधानिक प्रावधान नहीं है।

अखिलेश यादव और लालू प्रसाद यादव जैसे नेताओं की असली चिंता कहीं और है। उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में उनकी राजनीति का आधार पिछड़े और अति-पिछड़े वर्गों का वोट बैंक है। यदि महिला आरक्षण 2029 से लागू हो जाता है और लोकसभा की 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हो जाती हैं, तो रोटेशन प्रणाली के तहत इन दलों के कई वर्तमान सांसदों की सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हो सकती हैं। सीधे शब्दों में कहें तो उनके परिवारों और गुटों के कई दबंग नेताओं के लिए 2029 में चुनाव लड़ना असंभव हो जाएगा। ओबीसी आरक्षण की मांग दरअसल बिल को उलझाए रखने की एक रणनीति भी हो सकती है। प्रस्ताव के मुताबिक जो 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी, उनमें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिलाओं को उनके कोटे के अंदर ही आरक्षण मिलेगा। फिलहाल ओबीसी महिलाओं के लिए अलग से आरक्षण का जिक्र इस प्रस्ताव में नहीं है। यह वही बिंदु है, जहां टकराव होना तय है। वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें तो भारत अभी भी काफी पीछे है। नेपाल की संसद में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित हैं, बांग्लादेश की संसद में 50 सीटें और पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में महिलाओं के लिए 60 सीटें आरक्षित हैं। वर्तमान में भारत की लोकसभा में महिला सांसदों की संख्या मात्र 74 है, यानी करीब 13.6 प्रतिशत। इस लिहाज से 33 प्रतिशत का लक्ष्य एक बड़ी छलांग होगी। मोदी सरकार का यह दांव कई मायनों में अभूतपूर्व है। एक तरफ यह महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व में ऐतिहासिक बदलाव लाएगा, दूसरी तरफ विपक्ष को एक ऐसी स्थिति में खड़ा कर देता है, जहां वह न तो खुलकर समर्थन कर सकता है और न ही पूरी तरह विरोध। महिला मतदाताओं को नाराज करने का जोखिम कोई भी दल उठाने को तैयार नहीं है। यही मोदी सरकार की रणनीतिक सफलता है उसने विपक्ष को एक ऐसे जाल में फंसा दिया है, जहां से निकलने का कोई आसान रास्ता नहीं है।

जब-जब बजेगी सरगम, याद आयेंगी आशा भोसले

-सुरेश गांधी

आशा जी का गायन किसी एक शैली में सीमित नहीं था। वे ठुमरी की कोमलता भी थीं, गजल की नजाकत भी, और फिल्मी गीतों की चपलता भी। पिया तू अब तो आजा की चुलबुली अदा से लेकर इन आंखों की मस्ती की गहराई तक, उन्होंने हर भाव को अपने स्वर में ढाला। उनकी आवाज में एक ऐसा जादू था, जो श्रोता के मन के सबसे भीतरी कोनों को छू लेता था। 8 सितंबर 1933 को सांगली में जन्मी आशा भोसले ने अपने जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखे। महान गायक दीनानाथ मंगेशकर की पुत्री होने के बावजूद उन्हें अपनी पहचान बनाने के लिए कठिन संघर्ष करना पड़ा। उनकी बहन लता मंगेशकर पहले से ही संगीत जगत की स्थापित हस्ती थीं, लेकिन आशा जी ने अपने अलग अंदाज और प्रयोगशीलता से खुद की एक विशिष्ट पहचान बनाई।

जब आरडी बरमन के साथ उनकी जुगलबंदी बनी, तो हिंदी सिनेमा को एक नया संगीत मिला, आधुनिक, प्रयोगशील और दिलकश। दम मारो दम, चुरा लिया है तुमने जैसे गीतों ने युवाओं की धड़कनों को नया सुर दिया। वहीं ओपी नायर के साथ उनके गीतों ने शास्त्रीयता और पाश्चात्य संगीत का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया। आशा भोसले ने हिंदी के साथ-साथ मराठी, बंगाली, गुजराती, पंजाबी, तमिल, मलयालम, और यहां तक कि अंग्रेजी में भी गीत गाए। उनका स्वर भारत की विविधता का प्रतीक बन गया, हर भाषा में उतना ही सहज, उतना ही आत्मीय। राष्ट्रीय पुरस्कारों से लेकर पद्म विभूषण तक, उन्हें असंख्य सम्मानों से नवाजा गया। लेकिन उनकी असली पूंजी थी, श्रोताओं का प्रेम। उनकी आवाज में जो अपनापन था, वह हर पीढ़ी को जोड़ता रहा।

आज जब हम आशा भोसले को श्रद्धांजलि देते हैं, तो यह मानना कठिन लगता है कि वह स्वर अब हमारे बीच नहीं है। लेकिन सच यह है कि ऐसे स्वर कभी समाप्त नहीं होते, वे समय की सरहदों से परे जाकर अमर हो जाते हैं। उनकी गायकी हमें यह सिखाती है कि जीवन चाहे जैसा भी हो, उसमें सुर और लय बनाए रखना ही सबसे बड़ी कला है। आशा भोसले सिर्फ एक नाम नहीं थीं, वह भारतीय संगीत की धड़कन थीं। उनका हर गीत, हर आलाप, हर ठहराव हमें यह याद दिलाता रहेगा कि संगीत कभी मरता नहीं, वह बस रूप बदलकर हमारे भीतर जीवित रहता है। स्वर की वह चिरंजीवी नदी आज भी बह रही है... बस अब वह सुनाई नहीं देती, महसूस होती है। 23 अप्रैल 2017 का वह दिन काशी की स्मृतियों में आज भी सजीव है, जब आशा भोसले का प्रथम आगमन केवल एक सांगीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भावनाओं का महाकुंभ बन गया। काशी के भैंसासुर घाट पर आयोजित सुर गंगा मंच पर जैसे ही वह पहुँचीं, पूरा वातावरण हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा। गंगा घाट के किनारे उमड़ी जनसैलाब की वह तस्वीर आज भी रोंगटे खड़े कर देती है। हजारों प्रशंसकों के अपार प्रेम से अभिभूत आशा ताई ने फोल्डेड हैंड के साथ सबका अभिवादन किया और भावुक होकर कहा कि बनारसी साड़ी की तरह यहां के लोग भी बेहद खूबसूरत हैं। उन्होंने पहले मंच पर गाने से इनकार किया था, लेकिन काशी के प्रेम ने उन्हें मजबूर कर दिया, और फिर सुरों की वह गंगा बही, जिसमें पूरा शहर डूब गया।

संगीत को अपनी सांस मानने वाली इस साधिका ने जब अपने जीवन के संघर्ष, भक्ति और साधना की बातें साझा कीं, तो वह पल सिर्फ सुनने का नहीं, महसूस करने का बन गया, एक ऐसा संगम, जहाँ स्वर, श्रद्धा और काशी एकाकार हो गए। घाटों पर बहती गंगा की लहरें भी जैसे सुरों में झूम रही थीं, और सीढ़ियों पर उमड़ी भीड़ किसी महोत्सव नहीं, बल्कि एक युग के स्वागत की साक्षी बन रही थी। और काशी ने उन्हें केवल सुना नहीं... उन्हें जी लिया। घाटों की सीढ़ियों से लेकर दूर तक फैली भीड़... हर आँख में दीवानगी, हर दिल में एक ही धड़कन, आशा। वह क्षण किसी संगीत कार्यक्रम का नहीं, एक भावनात्मक मिलन का था। दस साल की उम्र में पहला गीत, संघर्षों से भरा सफर, ट्रेन से स्टूडियो तक की यात्रा, और एक माँ का त्याग... यह सिर्फ एक गायिका की कहानी नहीं थी, यह एक साधिका की तपस्या थी। उनकी स्मृतियों में लता मंगेशकर के साथ बचपन की मासूमियत भी झलक उठी, वह साथ स्कूल जाना, साथ रोना, और फिर जीवन भर साथ सुरों में जीना। आशा भोसले ने खुद को भगवान शिव का भक्त बताया। दस ज्योतिर्लिंगों के दर्शन कर चुकी इस साधिका की इच्छा थी कि वह अपनी आध्यात्मिक यात्रा को पूर्ण करें। अगले दिन उन्होंने बाबा विश्वनाथ धाम में रुद्राभिषेक कर आशीर्वाद लिया। वैदिक मंत्रों के बीच वह सिर्फ एक कलाकार नहीं थीं, वह एक भक्त थीं। दो दिन के प्रवास के बाद उन्होंने कहा, यह शहर बदल रहा है... स्वच्छता दिखती है, विकास दिखता है... और सबसे बढ़कर, यहाँ का प्रेम दिल में बस जाता है। एक आवाज... जो कभी बूढ़ी नहीं होती. नया दौर से रंगीला तक, समय बदलता गया, पीढ़ियाँ बदलती गईं, लेकिन आशा भोसले की आवाज हमेशा जवान रही। तीसरी मंजिल की की चंचलता, उमराव जान की नजाकत, और रंगीला की आधुनकता, हर दौर में उन्होंने खुद को नए सिरे से रचा।

भारतीय संगीत जगत में आशा भोसले का नाम केवल उनके गीतों से नहीं, बल्कि उनकी जीवन शैली, सोच, अनुशासन और जिंदादिली से भी पहचाना जाता है। वे सिर्फ सुरों की साधिका नहीं रहीं, बल्कि जीवन को एक कला की तरह जीने वाली ऐसी शख्सियत रहीं, जिन्होंने हर मोड़ पर खुद को नए रूप में ढाला। आशा भोसले की जीवन शैली हमेशा संतुलित और अनुशासित रही। बड़े से बड़े मंच पर चमकने वाली यह गायिका निजी जीवन में बेहद सरल थीं। उन्हें अच्छे भोजन, खासकर पारंपरिक व्यंजनों का शौक रहा, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने अपने स्वास्थ्य और दिनचर्या का विशेष ध्यान रखा। सुबह का रियाज, समय की पाबंदी, और काम के प्रति पूर्ण समर्पणकृये उनके जीवन के मूल तत्व रहे। उम्र के अंतिम पड़ाव तक भी उनका यह अनुशासन कायम रहा, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा ठें उन्हें नए-नए प्रयोग करना पसंद था, चाहे वह संगीत में हो या जीवन में। उन्होंने कभी खुद को किसी एक दायरे में सीमित नहीं कियज्ञं जहाँ एक ओर वे पारंपरिक गीतों में डूबी नजर आती थीं, वहीं दूसरी ओर आधुनिक संगीत और पॉप संस्कृति के साथ भी सहजता से जुड़ जाती थीं। उनकी यही खुली सोच उन्हें हर पीढ़ी के करीब ले आई।

गीतों की विविधता : हर मूड की आवाज

अगर उनके गीतों को देखें, तो वह एक पूरी दुनिया की तरह हैं। पिया तू अब तो आजा जैसी चंचलता, दिल चीज क्या है जैसी नजाकत, मेरा कुछ सामान जैसी गहराई, हर गीत में एक नया रंग, एक नया एहसास। उन्होंने सिर्फ गाया नहीं, बल्कि हर गीत को जियज्ञं उनकी आवाज में भावनाओं की ऐसी परतें थीं, जो सीधे दिल तक पहुँचती थीं।

उपलब्धियों से भरा, लेकिन विनम्रता से सजा जीवन

आशा भोसले को अपने लंबे करियर में अनगिनत पुरस्कार और सम्मान मिले। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी पहचान बनी। लेकिन इन सबके बावजूद, उन्होंने कभी अपने भीतर अहंकार को जगह नहीं दी। उनके लिए असली सम्मान हमेशा श्रोताओं का प्रेम रहा। वे अक्सर कहती थीं कि कलाकार का सबसे बड़ा पुरस्कार उसके श्रोताओं की तालियाँ होती हैं।

जीवन को देखने का अनूठा नजरिया

आशा भोसले का जीवन दर्शन बेहद सरल लेकिन गहरा था। वे मानती थीं, जीवन में कुछ भी स्थायी नहीं है, इसलिए हर पल को पूरी तरह जीना चाहिए। उनका यह भी मानना था कि सफलता और असफलता दोनों जीवन का हिस्सा हैं। उन्होंने कभी कठिनाइयों से घबराकर पीछे हटना नहीं सीखा। उनके विचारों में सकारात्मकता और आत्मविश्वास साफ झलकता था।

सीखने की ललक : जो कभी खत्म नहीं हुई

इतनी सफलता के बाद भी उन्होंने सीखना नहीं छोड़ज्ञं वे हमेशा नए कलाकारों के साथ काम करने के लिए तैयार रहती थीं। नई तकनीक, नए संगीत और नए प्रयोग, हर चीज को अपनाने की उनकी क्षमता अद्भुत थी। उनका मानना था कि अगर कलाकार सीखना बंद कर दे, तो उसका विकास भी रुक जाता है।

रिश्तों की अहमियत

आशा भोसले ने अपने जीवन में रिश्तों को हमेशा महत्व दियज्ञं परिवार, दोस्त और सहयोगी, सभी के साथ उनका जुड़ाव गहरा रहा। उन्होंने अपने संघर्षों के दिनों को कभी नहीं भुलाया और हमेशा उन लोगों का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने उनका साथ दिया।

खुद को बार-बार गढ़ने की कला

उनकी सबसे बड़ी खासियत थी, खुद को बदलने की क्षमता। समय के साथ उन्होंने अपने संगीत, अपनी शैली और अपने सोच को बदला। यही कारण है कि वे हर दौर में प्रासंगिक बनी रहीं। वे कभी एक ही छवि में कैद नहीं हुईंकृहर बार एक नई आशा भोसले सामने आईं।

एक प्रेरणा, जो सिर्फ संगीत तक सीमित नहीं

आशा भोसले का जीवन हर उस व्यक्ति के लिए प्रेरणा है, जो अपने सपनों को पूरा करना चाहता है। उन्होंने यह साबित किया, कठिनाइयाँ चाहे जितनी भी हों, अगर हौसला मजबूत हो, तो कोई भी मंजिल दूर नहीं होती।

अंतिम स्वर : विरासत, जो हमेशा जिंदा रहेगी

आशा भोसले की विरासत केवल उनके गीतों में नहीं, बल्कि उनकी सोच, उनकी जीवन शैली और उनके जज्बे में भी है। वे एक ऐसी कलाकार हैं, जिन्होंने न केवल संगीत को समृद्ध किया, बल्कि जीवन जीने का एक नया तरीका भी सिखायज्ञं उनकी आवाज आज भी गूंजती है...लेकिन उससे भी ज्यादा, उनका जीवन एक प्रेरणा बनकर हमारे भीतर जीवित है। आशा भोसले ने कभी किसी राजनीतिक दल की सदस्यता नहीं ली और न ही प्रत्यक्ष राजनीति में भागीदारी की। उनका मानना था कि कलाकार का कार्य समाज को जोड़ना है, न कि उसे विभाजित करना। फिर भी, एक जागरूक नागरिक के रूप में उन्होंने देश के नेतृत्व, विकास और नीतियों पर अपने विचार खुलकर रखे। अपने काशी प्रवास के दौरान उन्होंने पीएम मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा था कि देश को पहली बार एक मजबूत नेता मिला है। अगर ऐसा नेतृत्व देश को 50 वर्ष पहले मिला होता, तो भारत विकास के रास्ते पर बहुत आगे निकल गया होता। यह बयान उस समय काफी चर्चा में रहा, क्योंकि एक सांस्कृतिक क्षेत्र की प्रतिष्ठित हस्ती का यह दृष्टिकोण राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन गया. उनकी आवाज ने पीढ़ियों को जोड़ा, भाषाओं और सीमाओं को पार किया और एक सांस्कृतिक एकता का भाव उत्पन्न किया। वे उन कलाकारों में से थीं, जिनकी उपस्थिति किसी भी राष्ट्रीय या सांस्कृतिक मंच को गरिमा प्रदान करती थी। उनका मानना था कि कलाकार समाज का दर्पण होता है। संगीत के माध्यम से वह लोगों के दिलों तक पहुंचता है और यही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कभी राजनीति को अपने व्यक्तित्व पर हावी नहीं होने दिया, लेकिन जब भी देश और समाज की बात आई, उन्होंने अपने विचार स्पष्ट रूप से रखे।

शांति वार्ता तार-तार, राष्ट्र प्रमुखों की जिद्द और आसन्न परमाणु युद्ध

संजीव ठाकुर

अमेरिका,इजरायल और ईरान के बीच शांति वार्ता के विफल होने पर वैश्विक परिदृश्य एक ऐसे मोड़ पर खड़ा दिखाई देता है, जहाँ कूटनीति की भाषा कमजोर और शक्ति-प्रदर्शन की भाषा प्रबल होती जा रही है। पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव विशेष रूप से अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच, विश्व को एक संभावित महायुद्ध यहाँ तक कि परमाणु युद्ध की आशंका की ओर धकेल रहा है। इस संपूर्ण घटनाक्रम में डोनाल्ड ट्रंप की नीतियाँ और उनके निर्णय भी चर्चा के केंद्र में हैं, जिन्हें लेकर विश्व स्तर पर विभिन्न प्रकार की प्रतिक्रियाएँ सामने आई हैं। उनके द्वारा लिए जा रहे निर्णय पर अमेरिका के नागरिक उनके संसद सदस्य और वैश्विक देश के नेताओं द्वारा भी अविश्वास प्रकट किया जा रहा है उनकी मानसिक स्थिति पर भी अब सवालिया निशान लगने लगे हैं।

ऐतिहासिक तौर पर देखा जाए तो शांति वाताओं का उद्देश्य सदैव संघर्ष को समाप्त कर स्थिरता स्थापित करना होता है, किंतु हालिया प्रयासों में यह उद्देश्य बिखरता हुआ प्रतीत हो रहा है। जब मध्यस्थता के लिए पाकिस्तान जैसे कमजोर,आतंकवादी और अपरिपक्व मानसिकता वाले देश को आगे किया गया, तब ही कई कूटनीतिक विश्लेषकों ने इसकी निष्पक्षता और प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न लगा दिया था। किसी भी शांति प्रक्रिया की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि मध्यस्थ देश निष्पक्ष, विश्वसनीय और सभी पक्षों के लिए स्वीकार्य हो। यदि मध्यस्थ ही अपने रणनीतिक हितों में उलझा हो, तो वार्ता का मार्ग स्वतः ही संदिग्ध हो जाता है। अमेरिका और इजरायल का दृष्टिकोण ईरान की परमाणु क्षमताओं को सीमित करने पर केंद्रित रहा है, जबकि ईरान अपनी संप्रभुता और सुरक्षा के अधिकारों का सदैव पक्षकार रहा है। ईरान का कहना है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांति और ऊर्जा के उद्देश्य से है, परंतु पश्चिमी देशों को इसमें संभावित सैन्य उपयोग की आशंका दिखाई देती है। यही अविश्वास शांति वार्ता को बार-बार विफल करता रहा है। अमेरिका द्वारा ईरान के प्रस्तावों को अस्वीकार करना इस बात का संकेत है कि दोनों पक्षों के बीच संवाद की खाई गहरी होती जा रही है। इजरायल, जो पहले से ही ईरान को कई वर्षों से अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानता है, और उसके लिए यह लड़ाई अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण भी है और वह किसी भी प्रकार के समझौते को लेकर अत्यंत सावधान और अतिरिक्त सतर्क है। ऐसे में जब तीनों शक्तियाँ अपने-अपने हितों की रक्षा के लिए किसी भी हद तक अड़े हुए और अडिग हों, तो शांति का मार्ग और भी ना मुमकिन सा होता दिखाई देता है। यदि यह तनाव आगे बढ़कर जैसा की युद्ध विश्लेषक आशंका जाता रहे हैं परमाणु संघर्ष में परिवर्तित होता है, तो इसके परिणाम न केवल अत्यंत भयानक तथा विनाशक होने की संभावना होगी बल्कि युद्ध क्षेत्र भी सीमित नहीं रहेंगे, पूरी दुनिया इसकी जद और बड़े प्रभाव में आ जाएगी। सबसे पहले असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। तेल उत्पादक क्षेत्र होने के कारण पश्चिम एशिया में युद्ध छिड़ने से कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आएगा, जिससे महंगाई वैश्विक स्तर पर बेकाबू हो जाएगी। भारत जैसे विकासशील देशों के लिए यह स्थिति और भी गंभीर हो सकती है, जहाँ पहले से ही आम जनता महंगाई के दबाव से जूझ रही है।

महंगाई का सीधा असर आम जीवन पर पड़ता है। खाद्य पदार्थ, ईंधन, परिवहन, दवाइयाँ सभी की कीमतें आसमान छूने लगती हैं। इससे निम्न और मध्यम वर्ग सबसे अधिक प्रभावित होगा ह। रोजगार के अवसर कम हो जाते हैं, और आर्थिक असमानता बढ़ जाती है।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी परमाणु युद्ध के दुष्परिणाम अत्यंत भयावह होंगे। परमाणु विस्फोट से निकलने वाला विकिरण न केवल तत्काल जनहानि करता है, बल्कि पीढ़ियों तक चलने वाली बीमारियों को जन्म देता है। कैंसर, जन्मजात विकृतियाँ, मानसिक रोग ये सब ऐसे प्रभाव हैं जो दशकों तक मानवता को झेलने पड़ते हैं। पर्यावरण पर इसका असर भी विनाशकारी होता है,जल, वायु और मिट्टी सभी प्रदूषित हो जाते हैं, जिससे कृषि उत्पादन ठप हो सकता है और खाद्य संकट उत्पन्न हो सकता है।

इसके अतिरिक्त, एक परमाणु युद्ध ह्लन्यूक्लियर विंटरह्व जैसी स्थिति भी पैदा कर सकता है, जिसमें धूल और धुएँ के कारण सूर्य का प्रकाश धरती तक नहीं पहुँच पाता, जिससे वैश्विक तापमान में भारी गिरावट आ सकती है। इसका परिणाम व्यापक अकाल और पारिस्थितिक असंतुलन के रूप में सामने आएगा। वर्तमान स्थिति में सबसे अधिक आवश्यकता संयम, संवाद और विवेकपूर्ण नेतृत्व की है। विश्व शक्तियों को यह समझना होगा कि युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं, बल्कि नई समस्याओं की शुरूआत है। कूटनीति की मेज पर बैठकर मतभेदों को सुलझाना ही एकमात्र स्थायी मार्ग है। अंततः, यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि आज मानवता एक ऐसे दोराहे पर खड़ी है, जहाँ एक ओर शांति, सहयोग और विकास का मार्ग है, तो दूसरी ओर विनाश, अराजकता और अंधकार का। निर्णय विश्व नेताओं के हाथ में है, परंतु परिणाम पूरी मानवता को भुगतना होगा। इसलिए यह आवश्यक है कि शांति को प्राथमिकता दी जाए और विश्व को एक और महायुद्ध की विभीषिका से बचाया जाए।

बिहार जनसेवा संस्था द्वारा पदाधिकारियों की नियुक्ति व सुंदरकांड पाठ का आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। बिहार जनसेवा संस्था के संस्थापक अध्यक्ष बबन कुमार सिंह (बी.के. सिंह) द्वारा संस्था के विस्तार को गति देने के उद्देश्य से नए पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई। इस अवसर पर पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत लोखंडी पाड़ा स्थित हनुमान मंदिर में सुंदरकांड का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं व गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में बिहार समाज से जुड़े कई प्रमुख लोगों ने सहभागिता कर संस्था के कार्यों की सराहना की। धार्मिक वातावरण में आयोजित इस कार्यक्रम ने सामाजिक एकता और सांस्कृतिक जुड़ाव का संदेश दिया। पद प्रतिष्ठा समारोह के दौरान संस्थापक अध्यक्ष बबन कुमार सिंह ने विभिन्न पदों पर नियुक्त करते हुए जिम्मेदारियां सौंपीं। इसके तहत पालघर जिला अध्यक्ष के रूप में बौआकांत झा, पालघर महिला जिलाध्यक्ष के रूप में श्रीमती किरण सिन्हा, पालघर सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के लिए दिनेश्वर कुशवाहा तथा बोइसर प्रखंड के लिए कुंदन सिंह को नियुक्त पत्र प्रदान कर जिम्मेदारी सौंपी गई इस अवसर पर अपने संबोधन में बबन कुमार सिंह ने कहा कि संस्था आने वाले समय में समाजसेवा के कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ायेगी तथा जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगी। कार्यक्रम का समापन भक्तिमय माहौल में हुआ। इस मौके पर सभी उपस्थित लोगों ने संस्था के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ठाणे महानगरपालिका के पानी की कथित चोरी के खिलाफ आगरी सेना ने खोला मोर्चा

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। ठाणे महानगरपालिका को सप्लाई होने वाले पानी की कथित चोरी के विरोध में आगरी सेना ने भिवंडी के भूमीवर्ल्ड परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। यह आंदोलन तालुका प्रमुख योगराज भोईर के नेतृत्व में आयोजित किया गया। आगरी सेना का आरोप है कि ठाणे महानगरपालिका की पानी सप्लाई करने वाली पाइपलाइन भिवंडी तालुका के पिंपळास गांव से गुजरती है और इसी क्षेत्र में पानी की चोरी की जा रही है। प्रदर्शन में संजय फुलोरे, सतीश पाटिल, हरेश पाटिल, सुनील केणे, सूर्यकांत पाटिल, विवेक पाटिल और मोरेश्वर पाटिल सहित कई पदाधिकारी शामिल हुए। निवेदन के अनुसार, पिंपळास गांव स्थित भूमीवर्ल्ड के गोदाम परिसर में बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य चल रहा है। यहां इमारतों के पीछे से गुजरने वाली पाइपलाइन से पानी को जमा कर अवैध रूप से इस्तेमाल किया जा रहा है। पहले इसे जलशुद्धीकरण का वेस्टेज पानी बताया जा रहा था, लेकिन जांच में यह पानी पीने योग्य पाया गया है। आगरी सेना ने सवाल उठाया है कि जब ठाणे महानगरपालिका और स्टेम प्राधिकरण इस पानी को अपना नहीं मानते, तो यह पानी आखिर कहां से आ रहा है। संगठन का आरोप है कि इस पानी को खाद्य प्रसंस्करण और अन्य कंपनियों को बेचा जा रहा है। योगराज भोईर ने इस पूरे मामले में ठाणे नगर निगम के अधिकारियों की मिलीभगत का भी आरोप लगाया है और इस पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

भिवंडी में 15 अप्रैल को स्थायी समिति के 16 सदस्यों का चुनाव, बहुमत के लिए सियासी गणित तेज

भिवंडी। पिछले तीन महीनों से लंबित भिवंडी महानगरपालिका की स्थायी समिति के सदस्यों के चुनाव को आखिरकार मुहूर्त मिल गया है। आगामी बुधवार (15 अप्रैल) को महासभा आयोजित की जाएगी, जिसमें 16 सदस्यों का चयन किया जाएगा। पक्षीय समीकरणों के अनुसार समिति में कांग्रेस के 5, भाजपा के 4, राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार गुट) के 2, शिवसेना के 2, जबकि समाजवादी पार्टी, कोणार्क विकास आघाड़ी और भिवंडी विकास आघाड़ी के प्रत्येक पार्टी के 1-1 सदस्य शामिल होंगे। इस महासभा में 5 प्रभाग समितियों के सीमांकन की घोषणा के साथ ही महाराष्ट्र राज्य सुरक्षा बल द्वारा पालिका को सुरक्षा रक्षक उपलब्ध कराने के करार को बढ़ाने का मुद्दा भी चर्चा के लिए रखा जाएगा। स्थायी समिति में बहुमत के लिए 9 सदस्यों की आवश्यकता है, जबकि कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस (श.प.) के सेक्युलर फ्रंट के पास फिलहाल 7 सदस्य ही हैं। ऐसे में क्या नए राजनीतिक समीकरण बनेंगे या फिर भाजपा में किसी प्रकार की बगावत देखने को मिलेगी, इस पर सभी की नजरें टिकी हैं।कांग्रेस के किन सदस्यों को मौका मिलेगा, यह काफी हद तक समाजवादी पार्टी के विधायक रईस शेख के निर्णय पर निर्भर माना जा रहा है। वहीं, सत्ता में भागीदार राष्ट्रवादी कांग्रेस (श.प.) को सभापति पद मिलने की संभावना जताई जा रही है, लेकिन बहुमत का आंकड़ा कैसे पूरा होगा यह देखना दिलचस्प होगा।

इंडियन आइडल में नई वाइल्ड कार्ड एंट्री से प्रतियोगिता हुई और भी कड़ी

मुंबई/पटना। इंडियन आइडल का मंच और भी प्रतिस्पर्धी और रोमांचक बनने जा रहा है, क्योंकि शो अपना विशेष 50वाँ गोल्डन जुबली एपिसोड एक सरप्राइज ट्विस्ट के साथ मना रहा है। इस माइलस्टोन सेलिब्रेशन में रोमांचक वाइल्ड कार्ड एंट्रीज शो की भव्यता को और बढ़ा देती हैं और प्रतियोगिता को पहले से कहीं ज्यादा चुनौतीपूर्ण बना देती हैं। यह खास एपिसोड एक नॉस्टैल्जिक री-यूनियन का गवाह बनेगा, जहाँ पिछले सीजन के सबसे पसंदीदा सुर फिर से गूंजेंगे। अतीत और वर्तमान का अनोखा संगम दर्शकों को आत्मीय डुएट परफॉर्मेंस का अनुभव कराएगा, जिसमें पूर्व प्रतिभागी और वर्तमान प्रतिभागी साथ मिलकर मंच पर जादू बिखेरेंगे। ये प्रस्तुतियाँ न सिर्फ. दर्शकों को बल्कि जजों को भी मंत्रमुग्ध कर देगा। प्रतियोगिता में गर्माहट बढ़ाते हुए, सीजन 15 के दो दमदार परफॉर्मर मिस्कम्मे बोसु और चैतन्य देवाधे वाइल्ड कार्ड एंट्री के रूप में ग्रैंड कमबैक कर रहे हैं।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वस्थ पालघर जिला बनाने के लिए मिलकर करें प्रयास : सीईओ मनोज रानडे

पालघर (उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने कहा कि मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायत राज अभियान के साथ-साथ मेरा गांव, स्वास्थ्य संपन्न गांव अभियान को भी उतनी ही ऊर्जा और प्रतिबद्धता के साथ लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने सभी सरपंचों और ग्रामसेवकों से अपील की कि वे इस अभियान को जनआंदोलन बनाते हुए जिले को स्वास्थ्य की दिशा में मजबूत बनायें।

जिला परिषद पालघर के स्वास्थ्य विभाग की ओर से आयोजित मेरा गांव, स्वास्थ्य संपन्न गांव अभियान की प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला की अध्यक्षता मनोज रानडे ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल सरकारी स्तर तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि जनभागीदारी से ही इसकी सफलता संभव है। यदि प्रत्येक गांव स्वास्थ्य के मानकों को अपनाकर अपनी जिम्मेदारी निभाएं, तो पूरा पालघर जिला स्वास्थ्य के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सकता है। यह अभियान 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक संचालित किया जायेगा। इसके अंतर्गत गांवों के कार्यों का मूल्यांकन किया जायेगा और 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले गांवों को स्वास्थ्य संपन्न गांव घोषित किया जायेगा। राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली जिला परिषदों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान के लिए क्रमशः 5 करोड़, 3 करोड़ और 2 करोड़ रुपये के पुरस्कार दिए जायेंगे।

इस अवसर पर जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी, जिला शल्य चिकित्सक डॉ. रामदास मराड, तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी व्यंकटराव हुंडेकर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत में डॉ. संतोष चौधरी ने प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए अभियान के उद्देश्य और कार्यप्रणाली की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने मातृ मृत्यु और शिशु मृत्यु दर को कम करना इस अभियान का प्रमुख लक्ष्य बताया। डॉ. रामदास मराड ने कहा कि बेहतर और समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह प्रतिबद्ध है। वहीं व्यंकटराव हुंडेकर ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग भी इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभायेगा और सभी विभागों के समन्वय से ही यह अभियान सफल होगा। कार्यशाला में प्रत्येक तहसील से पांच सरपंच, दो आशा स्वयंसेविकाएं, दो सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, दो ग्रामसेवक, गट विस्तार अधिकारी और वैद्यकीय अधीक्षक उपस्थित थे। इस दौरान सरपंचों और आशा कार्यकर्ताओं ने भी अपने विचार साझा करते हुए अभियान में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया। अंत में यह स्पष्ट किया गया कि स्वास्थ्य संपन्न पालघर का लक्ष्य तभी हासिल होगा जब प्रशासन, विभिन्न विभागों, स्वयंसेवी संस्थाओं और आम नागरिकों का सक्रिय सहयोग मिलेगा।

आशा ताई के कालजई गीतों की जादुई आवाज हमेशा गूंजती रहेगी : कृपाशंकर सिंह

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह ने आज लोअर परेल के कासा ग्रांडे स्थित आवास पर रखी गई भारतीय संगीत की दिग्गज गायिका आशा भोंसले के पार्थिव शरीर का अंतिम दर्शन कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। उन्होंने कहा कि आशा ताई के निधन से एक युग का अंत हो गया है। उनकी बहुमुखी आवाज ने सात दशकों तक रोमांस, दर्द और जश्न के हर रंग को जीवंत किया, जिससे संगीत जगत में अपूरणीय क्षति हुई है। उन्होंने कहा कि पद्म विभूषण से सम्मानित आशाताई के कालजयी गीत और जादुई आवाज हमेशा गूंजती रहेगी। कृपाशंकर ने अत्यंत भावुक स्वर में गीत की कुछ पंक्तियां आशा ताई को समर्पित करते हुए कहा कि -

अजनबी रहगुजर के थे ही नहीं
हम जिधर थे ,उधर के थे ही नहीं,
कैसे आते वो हम-सफर वापस
जो हमारे सफर के थे ही नहीं
जो न आए हमारे दामन में
फल हमारे शजर के थे ही नहीं...।

रोटरी क्लब ऑफ बोईसर-तारापुर ने विद्यार्थियों हेतु किया आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। रोटरी क्लब ऑफ बोईसर-तारापुर (डिस्ट्रिक्ट 3141) की ओर से रविवार 12 अप्रैल 2026 को बोईसर के एमआईडीसी तारापुर स्थित टीमा हॉल में राइपेन 2026 कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सुबह 9 बजे से शुरू होकर शाम 5 बजे तक चला। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं एवं विद्यार्थियों को आपातकालीन परिस्थितियों में सही और त्वरित प्रतिक्रिया देने के लिए प्रशिक्षित करना था।

कार्यक्रम की शुरूआत विद्या की देवी मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इसके बाद सभी उपस्थित लोगों ने सामूहिक प्रार्थना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर के अध्यक्ष रामनारायण गोयल ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित पी डी जी अरुण भार्गव व ए जी शशांक ठाकरे , रोटेरियन आनंद रामनानी समेत अन्य सभी अतिथियों को पुष्पगुच्छ व स्मृतिचिन्ह देकर सत्कार किया।कार्यक्रम के दौरान फायर ब्रिगेड ऑफिसर राउत के निर्देशन में

फायर ब्रिगेड टीम ने आग लगने के विभिन्न प्रकारों और उन्हें बुझाने के प्रभावी तरीकों की विस्तृत जानकारी देते हुए प्रैक्टिकल करके दिखाया। वहीं सिविल डिफेन्स और एनडीआरएफ की टीमों ने विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन, बचाव कार्यों और संकट के समय अपनाई जाने वाली सावधानियों के बारे में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। रोटेरियन डॉ. पराग कुलकर्णी ने सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) का लाइव डेमोंस्ट्रेशन देकर बताया कि आपात स्थिति में किस तरह सही तकनीक अपनाकर किसी की जान बचाई जा सकती है।

इस कार्यक्रम में सेंट फ्रांसिस, आदर्श विद्यालय, विराज इंटरनेशनल, दीप ग्लोबल स्कूल, मुंबई पब्लिक स्कूल, संस्कृति स्कूल, सीटीईएस इंग्लिश मीडियम स्कूल, चिन्मया विद्यालय और यू.एस. ओसवाल स्कूल सहित 12 विद्यालयों के कुल 194 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में आपदा के समय सतर्कता, तत्परता और जिम्मेदारी से कार्य करने की भावना को प्रोत्साहन मिला। कार्यक्रम के अंत में सभी आमंत्रित विद्यालयों को ट्रॉफी और विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। रोटरी क्लब की ओर से कार्यक्रम में शामिल सभी लोगों के लिए चाय, नाश्ता के साथ स्वादिष्ट भोजन की पर्याप्त व्यवस्था की गई थी।

होटल व्यवसायी से चेन स्नैचिंग करने वाले तीन आरोपी मुंबई से गिरफ्तार

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण में होटल व्यवसायी के गले से सोने की चेन छीनकर फरार हुए तीन चोरों को महात्मा फुले पुलिस ने मुंबई से गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों के नाम दिलनवाज अंसारी, रिजवान खान और शाहरुख शेख हैं। तीनों मुंबई के गोवंडी स्थित बैगनवाड़ी के रहने वाले बताए जा रहे हैं। कल्याण के एसीपी कल्याणजी घेटे ने बताया कि चोरी की यह वारदात 26 नवंबर 2025 की है। रामबाग, कल्याण पश्चित के रहने वाले होटल कारोबारी सीजी राजन रात तकरीबन 11:30 अपना होटल बंद कर घर की तरफ जा रहे थे। उसी दौरान आरोपियों ने उनके गले से 10 तोले की सोने की

चैन छीन ली, और मोटरसाइकिल से फरार हो गए। मामले दर्ज करने के बाद महात्मा फुले पुलिस स्टेशन के इंचार्ज बलीरामसिंह परदेशी और उनकी टीम तफ्तीश में जुट गई। जिस रास्ते से आरोपी भागे थे उन रास्तों पर लगे सीसीटीवी फुटेज चेक की गई। इसके साथ ही पुलिस ने मुखबिरों को एक्टिव किया। चार महीने चली गहन जांच के बाद आखिर पुलिस ने गोवंडी, मुंबई से आरोपियों को धरदबोचा है। उनके पास से 6 लाख 76 हजार का मुद्देमाल पुलिस ने बरामद किया है।

केसीएन क्लब का नि :शुल्क चिकित्सा शिविर व स्वास्थ्य मार्गदर्शन कार्यक्रम सम्पन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर नगर अंतर्गत साईलोक नगर गणेश नगर शिव मंदिर प्राँगण में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। नोइंग सिटीजन्स नीड़ क्लब संस्था की स्थापना के 37वर्ष पूर्ण होने पर पांच दिवसीय उत्सव कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। जिसके अंतर्गत प्रदेश कमेटी की ओर से सोमवार 13 अप्रैल 2026 को निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी जिलेदार वर्मा ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संगठन के संरक्षक एडवोकेट शोभनाथ त्रिपाठी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन नवनियुक्त

गणेशनगर प्रभारी महेन्द्र यादव ने किया, प्रदेश मीडिया प्रभारी देवेंद्र मेश्राम, समाजसेवी मनोज मिश्र व अतिथियों द्वारा फीता काटकर नारियल तोड़कर शिविर की शुरूआत की गई। कार्यक्रम का संचालन क्लब कार्यकारिणी सदस्य अरविंद दुबे ने किया कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय अध्यक्ष नँदन मिश्र त्यागी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के प्रोजेक्ट इंचार्ज व प्रदेश कार्याध्यक्ष राकेश आचार्य व युवा मोर्चा राष्ट्रीय महासचिव चन्दन झा रहे, कार्यक्रम में लक्ष्मण यादव, रामविलास यादव, राजू प्रसाद, गौरीशंकर गोस्वामी, कृष्णा यादव, राजू शुक्ला, रविंद्र पाल, धनन्जय गुप्ता, सचिन नायक पालघर जिलाध्यक्ष जेपी जायसवाल, पूर्व पालघर जिलाध्यक्ष रोहित सिंह, हीरालाल राजभर, ललित रबारी, वीरेंद्र शाह, कविता मिश्र, मेडिकल टीम में डॉक्टर चंद्रकांत भावे, राजेंद्र सँखे , रविन्द्र वझे, जयेश पाटील, रश्मि सँखे, सिद्धेश पाटील , पत्रकार अजित सिंह व अरुण कुमार उपाध्याय सहित क्लब पदाधिकारी एवं अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मालजी पाड़ा खाड़ी किनारे अवैध देसी शराब की भट्टियों पर पुलिस का छापा, लाखों का माल नष्ट किया

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। क्राइम ब्रांच यूनिट- 2 वसई की बड़ी कार्रवाई। नायगांव पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग पर वासमारे ब्रिज के पास, राधाकृष्ण यदुवंशी होटल के पास मालजी पाड़ा खाड़ी किनारे स्थित मैंग्रोव (कांदणवन) में कुछ व्यक्तियों द्वारा अवैध रूप से शराब बनाने की भट्टी चलाने की जानकारी मुखबिर के माध्यम से प्राप्त हुई थी। प्राप्त गोपनीय सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच यूनिट- 2 वसई के पुलिस अधिकारियों और कर्मियों ने विगत 11/04/2026 को उक्त क्षेत्र में छापेमारी की। इस दौरान देसी शराब बनाने वाली भट्टी को ध्वस्त कर दिया गया और 4 आरोपियों को हिरासत में लिया गया।

हिरासत में लिए गए व्यक्तियों के नाम निम्नलिखित हैं: समीर उर्फ सनी महेश पाटिल झ निवासीः मालजी पाड़ा वसई पूर्व, ता. वसई, जिला- पालघर। अजय कुमार नाईम चौधरी (उम्र 28 वर्ष) विश्राम अदालती चौधरी उम्र 45 वर्ष रामचंद्र उर्फ दुखी अदालती चौधरी उम्र 35 वर्ष आरोपी नंबर 2 से 4, समीर पाटिल द्वारा बनाकर दी गई झोपड़ी, मालजी पाड़ा गाँव, वसई पूर्व में रहता हैं जब्त और नष्ट किया गया मालः छापेमारी के दौरान पुलिस नेः 7,400 लीटर देसी शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाला कच्चा माल (वॉश) 145 लीटर तैयार देसी हाथ भट्टी शराब और शराब बनाने के उपकरण। कुल 4,78,500/- रुपये मूल्य की सामग्री जब्त की गई और उसे मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। आरोपियों के खिलाफ नायगांव पुलिस स्टेशन में अपराध क्रमांक 337/2025, महाराष्ट्र मद्यपान निषेध अधिनियम 1949 की धारा 65 (ब), (क), (ड) और (फ) के तहत मामला दर्ज किया गया है। मार्गदर्शन और टीमः उक्त कार्रवाई निकेत कौशिक पुलिस आयुक्त, दत्तात्रय शिंदे अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, संदीप डोईफोडे पुलिस उपायुक्त - अपराध, और मदन बल्लाळ सहायक पुलिस आयुक्त - अपराध के मार्गदर्शन में की गई। इस सफल ऑपरेशन को क्राइम ब्रांच यूनिट- 2 वसई के पुलिस निरीक्षक अविराज कुराडे, पुलिस उप निरीक्षक संतोष घाडगे, सहायक उप निरीक्षक मुकेश पवार, रवींद्र पवार, चंदन मोरे, पुलिस हवलदार प्रफुल्ल पाटिल, सचिन पाटिल, जगदीश गोवारी के साथ पूरी टीम ने कुशलतापूर्वक अंजाम दिया।

मैदान गूँजेगा, बल्ला चमकेगा मीरा भायंदर की धरती पर होगा क्रिकेट का महासंग्राम

◆युवासेना कार्याध्यक्ष पूर्वेश सरनाईक ने की प्रताप सरनाईक प्रीमियर लीग की घोषणा

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। भायंदर के मैदान में उड़ती धूल, दर्शकों का शोर और बल्ले से निकलने वाले शानदार चौकों-छक्कों के बीच मीरा भायंदर शहर के खेल इतिहास में एक नया स्वर्णिम अध्याय लिखा जाने वाला है। महाराष्ट्र राज्य परिवहन मंत्री तथा धाराशिव जिला पालक मंत्री प्रताप इंदिराबाई बाबूराव सरनाईक के जन्मदिन के उपलक्ष्य में, मीरा भायंदर शहर में क्रिकेट का अब तक का सबसे भव्य उत्सव आयोजित होने जा रहा है। प्रताप सरनाईक फाउंडेशन की ओर से प्रताप सरनाईक प्रीमियर लीग (ढरढछ) नामक इस ऐतिहासिक क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। युवासेना कार्याध्यक्ष पूर्वेश सरनाईक ने हाल ही में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में घोषणा की कि यह प्रतियोगिता नेताजी सुभाषचंद्र बोस मैदान, भायंदर पश्चिम में २४ अप्रैल से २९ अप्रैल २०२६ तक आयोजित की जाएगी। यह प्रतियोगिता केवल एक शहर तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें पूरे भारत की क्रिकेट क्रेज' देखने को मिलेगी। प्रतियोगिता की विशेषताः लोकल' से 'ग्लोबल' तक का सफर! मीरा भायंदर शहर में होने वाली यह प्रतियोगिता केवल एक खेल नहीं बल्कि एक उत्सव है। एक ओर जहां भारत के कोने-कोने से आई १६ दिग्गज 'ऑल इंडिया टीमें' अपनी ताकत दिखाएंगी, वहीं दूसरी ओर ठाणे और मीरा-भायंदर की १६ स्थानीय टीमें अपनी मिट्टी की प्रतिभा सिद्ध करेंगी। इस प्रतियोगिता में कुल ३२ टीमें अपनी किस्मत आजमाएंगी। पुरस्कारों की बौछारः लाखों के इनाम और गाड़ियों की लूट, ऑल इंडिया' वर्ग में विजेता टीम को २१ लाख रुपये, उपविजेता (रनर-अप) को ११ लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। साथ ही, मैन ऑफ द सीरीज' को एक लग्जरी कार, जबकि बेस्ट बैट्समैन, बेस्ट बॉलर और इमर्जिंग प्लेयर को शानदार टू-व्हीलर इनाम में दी जाएगी। इसी प्रकार, ठाणे और मीरा भायंदर वर्ग की विजेता टीम को ५ लाख रुपये, उपविजेता को ३ लाख रुपये, मैन ऑफ द सीरीज' को एक शानदार टू-व्हीलर और अन्य श्रेणियों (बेस्ट बैट्समैन, बॉलर आदि) को २५ हजार रुपये का पुरस्कार मिलेगा। क्रिकेट और ग्लैमर का जबरदस्त संगम! २४ से २९ अप्रैल २०२६ के दौरान नेताजी सुभाषचंद्र बोस मैदान सितारों की चमक से सराबोर रहेगा। इस प्रतियोगिता में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पूर्व क्रिकेटर और बॉलीवुड व मराठी फिल्म उद्योग के नामचीन कलाकार उपस्थित रहकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करेंगे।

नीम करौली बाबा

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

जौनपुर के युवाओं के लिए सुनहरा मौका: सुरक्षा सैनिक व सुपरवाइजर की सीधी भर्ती के लिए शिविर शुरू

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार का एक बड़ा अवसर सामने आया है। SIS India Ltd एवं सिविल डिफेंस के तत्वाधान में सुरक्षा सैनिक और सुपरवाइजर पदों पर सीधी भर्ती के लिए विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। यह भर्ती Private Security Agencies Regulation Act 2005 (पसारा एक्ट 2005) के तहत की जा रही है। भर्ती शिविर विभिन्न ब्लॉकों में निर्धारित तिथियों पर आयोजित होंगे, जिससे जिले के अधिक से अधिक युवाओं को भाग लेने का मौका मिल सके। 13 और 14 अप्रैल को सिरकोनी एवं सिकरारा ब्लॉक, 15 और 16 अप्रैल को बक्शा एवं करंजाकला, 17 और 18 अप्रैल को धर्मापुर एवं मड़ियाहूं, 20 अप्रैल को रामनगर, 21 अप्रैल को रामपुर, 22 अप्रैल को बरसठी, 23 अप्रैल को मछलीशहर, 24 अप्रैल को मुंगराबादशाहपुर, 25 अप्रैल को बदलापुर तथा 27 अप्रैल को महाराजगंज ब्लॉक में शिविर लगाए जाएंगे। आयोजकों के अनुसार अभ्यर्थी अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी ब्लॉक में आयोजित शिविर में शामिल हो सकते हैं।

सुरक्षा सैनिक पद के लिए न्यूनतम योग्यता हाईस्कूल पास रखी गई है, जबकि सुपरवाइजर पद के लिए इंटरमीडिएट उत्तीर्ण होना आवश्यक है। दोनों पदों के लिए आयु सीमा 19 से 40 वर्ष निर्धारित की गई है। सुरक्षा सैनिक के लिए लंबाई 167.5 सेंटीमीटर, सीना 80-85 सेंटीमीटर और वजन 56 से 90 किलोग्राम होना चाहिए, जबकि सुपरवाइजर के लिए न्यूनतम लंबाई 170 सेंटीमीटर तय की गई है। चयनित अभ्यर्थियों को एक माह का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसके बाद उन्हें सरकारी एवं निजी संस्थानों में तैनाती दी जाएगी। नौकरी के दौरान पीएफ, ईएसआई, ग्रेच्युटी, बोनस और अन्य सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी। आयोजकों ने जिले के युवाओं से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं और निर्धारित तिथियों पर अपने नजदीकी शिविर में पहुंचकर भर्ती प्रक्रिया में भाग लें।

शक्ति वंदन अधिनियम अभियान महिला सशक्तिकरण की नई दिशा में भाजपा का ऐतिहासिक कदम: सीमा द्विवेदी

मातृशक्ति से अपील करती हूं कि वे इस अभियान से जुड़कर विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध करें: अर्चना सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आज 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के सफल कार्यान्वयन और आगामी योजनाओं को लेकर एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। जिसको राज्य सभा सांसद सीमा द्विवेदी ने संबोधित किया इस प्रेस वार्ता का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को राजनीति की मुख्यधारा में लाने के लिए केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता और 2029 के चुनावों में 33% आरक्षण लागू करने की रूपरेखा साझा करना रहा।

राज्य सभा सांसद सीमा द्विवेदी ने बताया कि संसद के आगामी विशेष सत्र (16-18 अप्रैल) में अधिनियम से जुड़ी तकनीकी बाधाओं को दूर किया जाएगा और नए प्रस्ताव के तहत लोकसभा सीटों की संख्या 816 करने की योजना है, जिससे महिलाओं के लिए 273 सीटें आरक्षित होंगी।

उन्होंने आगे बताया कि अब 2027 की जनगणना की प्रतीक्षा किए बिना, 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन की प्रक्रिया शुरू करने पर विचार किया जा रहा है, ताकि 2029 में महिलाएं अपना हक पा सकें जन-जागरण अभियान के तहत आगामी 15 से 17 अप्रैल तक पूरे जिले में 'नारी शक्ति पदयात्रा' और स्कूटी रैलियों का आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने आगे बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश अब "महिला विकास" से आगे बढ़कर महिला नेतृत्व वाले विकास की ओर कदम बढ़ा चुका है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल एक कानून नहीं, बल्कि देश की आधी आबादी के आत्मविश्वास का प्रतीक है।

उन्होंने आगामी कार्यक्रम की रूपरेखा बताई जो इस प्रकार से है-

14 अप्रैल: बूथ स्तर पर महिला संवाद कार्यक्रम।

15-16 अप्रैल- 'शक्ति वंदन' पदयात्रा का आयोजन।

18 अप्रैल: संसद के विशेष सत्र के उपलक्ष्य में विजय उत्सव।

टी डी कालेज की प्रिंसिपल अर्चना सिंह ने कहा कि समाज के सभी वर्गों, विशेषकर मातृशक्ति से अपील करती है कि वे इस अभियान से जुड़कर विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध करें उन्होंने विपक्षी दलों से भी अपील की कि दलगत राजनीति से ऊपर उठकर इस ऐतिहासिक कदम का समर्थन करें उन्होंने यह भी बताया कि यह अधिनियम पंचायतों से लेकर संसद तक महिलाओं की निर्णय लेने की क्षमता और उनकी भागीदारी को नई ऊंचाई प्रदान करेगा।

बाबासाहब डॉ.भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती आज, जनपद में भव्य आयोजन की तैयारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती 14 अप्रैल 2026, मंगलवार को भव्य रूप से मनाई जाएगी। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी द्वारा पूरे जनपद में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

पार्टी के जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि जयंती को लेकर जिला कार्यालय सदर चुंगी अल्फस्टीनगंज में पदाधिकारियों के साथ बैठक कर कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार कर ली गई है। उन्होंने कहा कि जनपद के सभी विधानसभा क्षेत्रों में सेक्टर स्तर पर बाबा साहब की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी।

उन्होंने बताया कि 14 अप्रैल को प्रातः 10 बजे अंबेडकर तिराहा, जिलाधिकारी आवास के निकट स्थित अंबेडकर पार्क में बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत होगी। इसके बाद जिला कार्यालय पर जयंती समारोह एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा।

जिलाध्यक्ष ने सभी जनप्रतिनिधियों, पूर्व जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में समन्वय बनाकर कार्यक्रम को सफल बनाएं। नगर मुख्यालय के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से विशेष रूप से अपील की गई है कि वे निर्धारित समय पर कार्यक्रम में शामिल होकर आयोजन को भव्य बनाएं।

इस संबंध में जानकारी जिला महासचिव आरिफ हबीब द्वारा दी गई। बैठक में दीपचंद राम एडवोकेट, श्यामबहादुर पाल, हीरालाल विश्वकर्मा, डॉ. जितेंद्र यादव, रामकेश बिंद, वीरेंद्र यादव, कमाल आजमी और रविन्द्र मौर्य सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

अखिलेश यादव नि:शुल्क शिक्षा के संकल्प के साथ सामाजिक न्याय की नई लड़ाई के लिए तैयार: अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लखनऊ समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने कहा है कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव देश में शिक्षा के क्षेत्र में एक नई क्रांति का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी का लक्ष्य प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक पूरी तरह निःशुल्क और समान शिक्षा व्यवस्था लागू करना है।

अरशद खान ने अपने बयान में कहा कि भारत के इतिहास में लंबे समय तक शिक्षा पर कुछ वर्गों का वर्चस्व रहा, जिससे दलितों, पिछड़ों और महिलाओं को शिक्षा से वंचित रखा गया। ऐसे समय में ज्योतिराव फुले, सावित्रीबाई फुले और फातिमा शेख ने शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक संघर्ष करते हुए समाज में जागरूकता फैलाने का काम किया। उन्होंने आगे कहा कि भीमराव अंबेडकर ने संविधान के माध्यम से शिक्षा को समान अधिकार दिलाने की दिशा में ऐतिहासिक कार्य किया,

वहीं मौलाना अबुल कलाम आजाद ने देश में शिक्षा के विस्तार की मजबूत नींव रखी। समाजवादी विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए मुलायम सिंह यादव ने इंटरमीडिएट तक शिक्षा को निःशुल्क कर गरीब और वंचित वर्गों के लिए नए अवसर खोले।

अरशद खान ने आरोप लगाया कि वर्तमान समय में शिक्षा को लगातार महंगा किया जा रहा है, जिससे आम जनता के लिए उच्च शिक्षा प्राप्त करना कठिन होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का निजीकरण सामाजिक असमानता को बढ़ावा देता है और समाजवादी पार्टी इसका पुरजोर विरोध करती है।

उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव का संकल्प केवल राजनीतिक घोषणा नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की अधूरी लड़ाई को पूरा करने का प्रयास है। पार्टी ह्रसवंजन हिताय, सर्वजन सुखायह के सिद्धांत पर चलते हुए हर नागरिक को समान और सुलभ शिक्षा दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। अंत में उन्होंने कहा कि शिक्षा हर नागरिक का मौलिक अधिकार है और इसे सुरक्षित रखने के लिए समाजवादी पार्टी लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रखेगी।

शिक्षित समाज ही प्राप्त करता है सफलता: गिरीश चन्द्र यादव

◆ जीवन की कठिनाइयों का हथियार है शिक्षा: डा.राजेन्द्र भोजवाल

श्री कान्य कुब्ज वैश्य भोजवाल सभा (भुर्जी) उत्थान समिति के 9वें वार्षिकोत्सव में हुआ परिचय सम्मेलन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोई भी समाज तभी सफलता प्राप्त करता है जब वह शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ता है। उक्त बातें श्री कान्य कुब्ज वैश्य भोजवाल सभा (भुर्जी) उत्थान समिति जौनपुर के 9वें वार्षिकोत्सव, होली मिलन एवं परिचय सम्मेलन को सम्बोधित करते हुये गिरीश चन्द्र यादव राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण उत्तर प्रदेश सरकार ने बतौर मुख्य अतिथि कहीं। साथ ही भोजवाल समाज के उत्थान के लिये उन्होंने हर सम्भव मदद करने का आश्वासन भी दिया।

नगर के जेसीज चौराहा–वाजिदपुर तिराहा मार्ग पर स्थित एक उपवन में आयोजित कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन से हुआ जहां विशिष्ट अतिथि डा. राजेन्द्र प्रसाद भोजवाल असिस्टेंट प्रोफेसर मनोविज्ञान तिलकधारी महाविद्यालय भी रहे। इसी क्रम में विशिष्ट अतिथि डा. प्रसाद ने कहा कि शिक्षा ही वह हथियार है जिसके द्वारा जीवन की सभी कठिनाइयों का निवारण एवं जीवन में सब कुछ पाया जा सकता है।

मंचासीन अतिथियों में राजेश भोजवाल, डा. जगदीश भोजवाल, संतोष

संस्थापक अध्यक्ष सहित संरक्षक मण्डल के सदस्य किये गये सम्मानित

संस्थापक अध्यक्ष अरविन्द भोजवाल सहित संरक्षक मण्डल के राजेन्द्र प्रसाद भोजवाल, राममनी भोजवाल, जिया लाल भोजवाल, संकटा भोजवाल, जगदीश भोजवाल, अशोक भोजवाल एडवोकेट, दयानन्द भोजवाल, रामचन्द्र भोजवाल को सम्मानित किया गया।

भोजवाल, मोहन भोजवाल, शिव लाल भोजवाल, उमाशंकर भोजवाल भी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विमल भोजवाल जिलाध्यक्ष एवं संचालन विष्णु भोजवाल जिला महामंत्री ने किया।

इस अवसर पर वेद प्रकाश, अभिलाष भोजवाल, विजय भोजवाल, पारस भोजवाल, मंगला भोजवाल, अमरजीत भोजवाल, धर्मचन्द भोजवाल, मुकेश भोजवाल, राजेश भोजवाल, रंजीत

जादू एवं संगीत कार्यक्रम बना आकर्षण का केन्द्र

इस दौरान आयोजित जादू का कार्यक्रम हुआ जो लोगों के लिये आकर्षण का केन्द्र बना रहा। यह कार्यक्रम अनिल भोजवाल बम द्वारा किया गया। वहीं संगीत की प्रस्तुति राजेन्द्र राज द्वारा की गयी जिसे लोगों ने खूब सराहा।

संतोष एवं सर्वेश ने भोजवाल समाज की दी जानकारी

वहीं संतोष भोजवाल एवं शिक्षक सर्वेश भोजवाल ने संयुक्त रूप से भोजवाल समाज के इतिहास की जानकारी दिया।

माटी कला बोर्ड की तर्ज पर श्री अन्ना कला बोर्ड का गठन हो

साथ ही उमाशंकर भोजवाल मुंगराबादशाहपुर ने माटी कला बोर्ड के तर्ज पर श्री अन्न कला बोर्ड के गठन की मांग राज्यमंत्री गिरीश चन्द्र यादव समक्ष रखा।

भोजवाल, राजू भोजवाल, सुनील भोजवाल, अशोक भोजवाल, प्रमोद भोजवाल, राजेश भोजवाल मैनेजर रइक् सम्राट भोजवाल सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

भीमराव अंबेडकर जयंती पर सेवा भारती का नि:शुल्क चिकित्सा शिविर, सैकड़ों लोगों ने उठाया लाभ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर सेवा भारती द्वारा एक दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा एवं स्वास्थ्य

जांच शिविर का भव्य आयोजन किया गया। यह शिविर शहर के विभिन्न स्थान में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिसमें सैकड़ों लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

शिविर का संचालन रिवान्स हॉस्पिटल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. पवन चौरसिया के कुशल मार्गदर्शन में लाइनबाजार में किया गया। इस दौरान सामान्य रोगों की जांच, रक्तचाप एवं मधुमेह (शुगर) की जांच के साथ-साथ आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श भी निःशुल्क प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारियों सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से जिला सेवा प्रमुख राजीव कुमार सिंह, नगर संपर्क प्रमुख डॉ. केदार सिंह तथा सक्षम जिला सचिव विक्रांत जायसवाल ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

इस अवसर पर राजीव कुमार सिंह ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का जीवन समाज के वंचित और पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित रहा है, और सेवा भारती उसी विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

डॉ. केदार सिंह ने शिविर के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि ऐसे आयोजन उन लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी हैं, जो आर्थिक कारणों से नियमित स्वास्थ्य जांच नहीं करा पाते। वहीं, विक्रांत जायसवाल ने शिविर की व्यवस्थाओं को सुचारू बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और युवाओं को समाज सेवा के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अतिथियों द्वारा डॉ. अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। रिवान्स हॉस्पिटल की टीम ने भी इस सेवा कार्य में पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

लेखपाल से मारपीट के मामले में चार के खिलाफ केस दर्ज

मारपीट व सरकारी अभिलेखों को छीनने सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा

खुटहन,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बीरमपुर चौराहे पर गत शनिवार को मनबढ़ो के द्वारा एक लेखपाल के साथ मारपीट और सरकारी अभिलेख छीन लेने के मामले में पुलिस ने सरकारी काम में बांधा सहित विभिन्न धाराओं में नामजद चार आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दिया है। पीड़ित लेखपाल पवन कुमार सिंह, निवासी ग्राम डिहिया, ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि वह तहसील शाहगंज में लेखपाल पद पर कार्यरत हैं। गत 11 अप्रैल की शाम वह ड्यूटी समाप्त कर घर लौटते समय बीरमपुर चौराहे पर पहुंचा था कि बीरमपुर गांव के अजय यादव, संजय यादव, अंकेश यादव और अंकित यादव ने गाली-गलौज करते हुए उन्हें जबरन गाड़ी से उतारकर मारपीट करने लगे। आरोप है कि हमलावरों ने कार की चाबी छीन ली और बैग में रखे खसरा व अन्य सरकारी कागजात लेकर फरार हो गए। पीड़ित ने जान से मारने की धमकी का भी आरोप लगाया है। आरोप के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है।

समाज सुधारक और संविधान के शिल्पी थे बाबा साहेब: डॉ.रमेश यादव

◆ अंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर विविध कार्यक्रम सम्पन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में भारत रत्न बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर विभिन्न शैक्षणिक प्रतियोगिताओं का सफलतापूर्वक आयोजन हुआ। विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न विभागों एवं संकायों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

इस अवसर पर रज्जू भैया संस्थान में पोस्टर प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और डॉ. अंबेडकर के जीवन, विचारों एवं उनके सामाजिक योगदान को रचनात्मक रूप में प्रस्तुत किया। इन प्रतियोगिताओं में सफल प्रतिभागियों को डॉ अम्बेडकर की जन्मजयंती के अवसर पर 14 अप्रैल को आयोजित मुख्य कार्यक्रम में पुरस्कृत किया जायेगा।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता विधि संकाय, टी डी कॉलेज के रमेश चंद्र यादव ने कहा कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर महान समाज सुधारक, विधिवेत्ता और भारतीय संविधान के

शिल्पकार थे। उनका जीवन दर्शन समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों पर आधारित था। उन्होंने समाज में व्याप्त जातिगत भेदभाव और अस्पृश्यता के खिलाफ संघर्ष करते हुए दलितों, वंचितों और कमजोर वर्गों को अधिकार दिलाने का कार्य किया।

इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि डॉ .अम्बेडकर ने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम माना। श्रमिकों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा में भी उनका योगदान महत्वपूर्ण रहा। उनके विचार आज भी एक न्यायपूर्ण, समतामूलक और लोकतांत्रिक समाज के निर्माण के लिए प्रेरणा प्रदान करते हैं।

सभी कार्यक्रमों का संचालन डॉ नितेश जायसवाल ने किया। इस अवसर पर डॉ जाह्नवी श्रीवास्तव, डॉ.सुनील कुमार, डॉ.सुशील कुमार, डॉ रामांशु सिंह, सौरभ सिंह, डॉ. दिनेश सिंह, डॉ.मंगला यादव व बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

शाहगंज में शिक्षा की नई मिसाल: कम खर्च में बेहतर भविष्य

मिर्जा अनवर बेग प्राइमरी स्कूल बना अभिभावकों के लिए सहारा, उइरए पैटर्न पर दे रहा बेहतर शिक्षा

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जहां एक ओर देशभर में स्कूलों की बढ़ती फीस, महंगी किताबें, कॉपियां और यूनिफॉर्म अभिभावकों की जेब

पर भारी पड़ रही हैं, वहीं शाहगंज क्षेत्र के असरफपुर उसरहटा आजाद स्थित मिर्जा अनवर बेग प्राइमरी स्कूल एक सकारात्मक मिसाल बनकर उभरा है।

यह विद्यालय बेहद कम शुल्क में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर अभिभावकों को बड़ी राहत दे रहा है। स्कूल प्रबंधन द्वारा मात्र 400 रुपये में पूरे वर्ष की किताबें और कॉपियां उपलब्ध कराई जा रही हैं, जबकि मासिक शुल्क भी केवल 300 रुपये रखा गया है।

विशेष बात यह है कि इतनी कम फीस के बावजूद विद्यालय में पढ़ाई का स्तर उइरए पैटर्न पर आधारित है, जिससे बच्चों को आधुनिक और प्रतिस्पर्धी शिक्षा मिल रही है। क्षेत्र के अभिभावक इस पहल की सराहना कर रहे हैं और इसे वर्तमान समय में एक सराहनीय कदम मान रहे हैं।

ग्रामीण और निम्न आय वर्ग के परिवारों के लिए यह स्कूल किसी वरदान से कम नहीं है, जहां कम खर्च में बच्चों को बेहतर शिक्षा का अवसर मिल रहा है।

विद्यालय के प्रबंधक मिर्जा असफर बेग ने बताया कि हमारा उद्देश्य सिर्फ शिक्षा देना नहीं, बल्कि हर बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना है। आज के समय में शिक्षा बहुत महंगी हो गई है, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग के अभिभावकों के लिए बच्चों को पढ़ाना कठिन होता जा रहा है।

उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि कोई भी बच्चा सिर्फ पैसों की कमी के कारण शिक्षा से वंचित न रहे। इसी सोच के साथ हमने फीस और अन्य खर्चों को न्यूनतम रखा है, जबकि पढ़ाई का स्तर बेहतर बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

उन्होंने आगे बताया कि आने वाले समय में भी विद्यालय इसी दिशा में कार्य करता रहेगा और शिक्षा के क्षेत्र में एक नई मिसाल कायम करने का प्रयास जारी रखेगा।

नन्हीं छात्राओं ने रचा सफलता का इतिहास, खेतासराय मॉर्डन कान्वेंट स्कूल का बढ़ाया मान

डॉ.इम्तियाज अहमद

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के मॉर्डन कान्वेंट स्कूल की नन्हीं छात्राओं ने शैक्षिक सत्र 2025-26 के परीक्षा परिणाम में शानदार प्रदर्शन कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। कम उम्र में ही इन छात्राओं ने अपनी लगन, मेहनत और

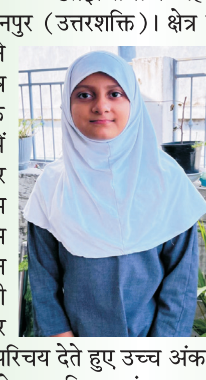

प्रतिभा का उत्कृष्ट परिचय देते हुए उच्च अंक हासिल किए हैं। कक्षा 3 की छात्रा जुबैदा मिर्जा ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। वहीं कक्षा 5 की जैनब मिर्जा ने 98 प्रतिशत अंक हासिल कर विद्यालय में श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। यूकेजी की छात्रा मदीना मिर्जा ने 99 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सभी को अचंभित कर दिया और सबसे अधिक अंक हासिल किए। छात्राओं की इस उपलब्धि से विद्यालय परिसर में हर्ष का माहौल है, वहीं पूरे क्षेत्र में गर्व की भावना देखने को मिल रही है। विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों ने इस सफलता को छात्राओं की कड़ी मेहनत, अनुशासन और नियमित अभ्यास का परिणाम बताया। साथ ही अभिभावकों के सहयोग को भी इस उपलब्धि का महत्वपूर्ण आधार बताया गया। परिजनों ने विद्यालय के सकारात्मक शैक्षिक वातावरण और शिक्षकों के मार्गदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि इसी वजह से बच्चों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। क्षेत्र के लोगों ने भी इन होनहार छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

कांग्रेसियों ने मोहसिना किदवई को दी श्रद्धांजलि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला कांग्रेस कमेटी जौनपुर के अध्यक्ष डा.प्रमोद कुमार सिंह की अध्यक्षता में जिला कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन पर आयोजित कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीमती मोहसिना किदवई जी को पार्टी कार्यकर्ताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन रखकर कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। शोक सभा के दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि श्रीमती मोहसिना किदवई जी का पूरा जीवन कांग्रेस के लिए समर्पित रहा, वे मेरठ से तीन बार सांसद और श्रीमती इंदिरा गांधी जी एवं स्व.राजीव गांधी जी की सरकार में केन्द्रीय मंत्री के रूप में देश को अभूतपूर्व योगदान दिया है।

प्रमोद कुमार सिंह ने उनके निधन को पार्टी की अपूरणीय क्षति बताते हुए कहा कि कांग्रेस को मजबूत करने के लिए उनके द्वारा दिए गये योगदान को पार्टी कभी भी नहीं भूलेगी, उनके देहांत है रिक्त हुए स्थान की पूर्ति नहीं की

जा सकती है। शोक सभा को संबोधित करते हुए शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आरिफ खान ने कहा कि श्रीमती मोहसिना किदवई देश की कौमी एकता की पहचान थी, वे गांधीवादी विचारधारा की नेता थी। आरिफ खान ने कहा कि मोहसिना जी भारतीय राजनीति में महिलाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत थी, उनके निधन से देश ने एक स्पष्ट और सच्चा नेतृत्व को दिया है। शोक सभा उपस्थित पार्टी कार्यकर्ताओं ने श्रीमती मोहसिना किदवई जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष देवराज पांडेय, लाल प्रकाश पाल, राकेश सिंह डब्बू, अनिल दूबे आजाद, इरशाद खान राजू, सभासद शहनवाज मंजूर, राजकुमारी मिश्रा, राजेश तिवारी,जयप्रकाश मिश्रा,बब्लू गुप्ता, प्रवेश निषाद, अरविंद यादव, संदीप निषाद, मुहम्मद अर्सलान खान, चंद्रशेखर निषाद, मु.दानिश, मु.अबुजर, साजिद, सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

जिला अस्पताल परिसर में नवजात बच्ची का शव मिलने से हड़कंप

प्रियेश गुप्ता रुद्र

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के उमानाथ सिंह जिला चिकित्सालय परिसर में सोमवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब शवगृह (मॉर्चरी) के पीछे काले पॉलीथीन में एक नवजात बच्ची का शव मिला। घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल स्टाफ और स्थानीय लोगों में सनसनी फैल गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 11 बजे अस्पताल का एक सफाईकर्मी मॉर्चरी के पीछे गया था। इसी दौरान उसने देखा कि एक काले पॉलीथीन को कुछ जानवर नोच रहे हैं। शक होने पर जब उसने पास जाकर पॉलीथीन खोला, तो उसके अंदर नवजात बच्ची का शव देखकर वह स्तब्ध रह गया।

सफाईकर्मी ने तत्काल भंडारी चौकी पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि नवजात को वहां कौन और किन परिस्थितियों में छोड़ गया। इस हृदयविदारक घटना से अस्पताल परिसर में मौजूद लोगों और कर्मचारियों में आक्रोश व दुख का माहौल है। लोगों के बीच इस बात को लेकर चर्चा है कि आखिर किसने इस मासूम को इस तरह लावारिस हालत में छोड़ दिया। पुलिस द्वारा आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि घटना से जुड़े तथ्यों का पता लगाया जा सके।

दक्ष फाऊंडेशन सुल्तानपुर बच्चों को उपलब्ध कराई निशुल्क पुस्तकें

सुल्तानपुर (उत्तरशक्ति)। बढ़ती महंगाई के बीच जहां किताबों की कीमतें अभिभावकों के लिए चिंता का विषय बनी हुई हैं,वहीं दक्ष फाउंडेशन सुल्तानपुर द्वारा प्रजापति समाज के बच्चों को निःशुल्क पुस्तकें उपलब्ध कराई जा रही हैं। फाउंडेशन की यह पहल जरूरतमंद परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित हो रही है।फाउंडेशन की अध्यक्षा श्रीमती कंचन प्रजापति ने बताया कि यह मुहिम पिछले चार वर्षों से लगातार चलाई जा रही है। उन्होंने कहा कि उनके पति सीआरपीएफ में कार्यरत हैं और समाज के शैक्षिक विकास को ध्यान में रखते हुए यह अभियान शुरू किया गया।उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर अभिभावकों के लिए यह योजना किसी वरदान से कम नहीं है। फाउंडेशन का उद्देश्य अधिक से अधिक बच्चों को शिक्षा से जोड़ना और समाज को आगे बढ़ाना है।

जौनपुर: बेलवार में 'GE वॉटर सप्लायर RO प्लांट का हुआ उद्घाटन

अरशद अली
सुजानगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुजानगंज क्षेत्र के बेलवार गांव में GE वॉटर सप्लायर RO प्लांट का उद्घाटन आज मुख्य अतिथि के रूप में सांसद सीमा द्विवेदी द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह में क्षेत्र के कई गणमान्य लोग एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर सांसद सीमा द्विवेदी ने 'GE वॉटर सप्लायर के प्रोपराइटर सुमित दुबे को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि शुद्ध पेयजल हर व्यक्ति की बुनियादी जरूरत है और यह अच्छे स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। ऐसे प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने भी इस पहल की सराहना की और कहा कि इस RO प्लांट के शुरू होने से क्षेत्रवासियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध होगा, जिससे जलजनित बीमारियों में कमी आएगी और लोगों का स्वास्थ्य बेहतर होगा।

जौनपुर:विवा ब्यूटी पार्लर के 15 वर्ष पूर्ण होने पर भव्य समारोह, प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित

डॉ. इम्तियाज अहमद
जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर के सुटहट्टी क्षेत्र स्थित विवा ब्यूटी पार्लर के 15 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर एक भव्य पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अंजना सिंह उपस्थित रहीं, जिन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समारोह के दौरान पार्लर से जुड़ी महिलाओं एवं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों एवं गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही, जिससे आयोजन का माहौल उत्साहपूर्ण और आकर्षक बना रहा। मुख्य अतिथि डॉ. अंजना सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि विवा ब्यूटी पार्लर ने पिछले 15 वर्षों में समाज में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और अपनी प्रतिभा को निखारने का मंच प्रदान करते हैं। कार्यक्रम के आयोजक श्री अरविन्द बैंकर ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी ऐसे सामाजिक एवं प्रोत्साहनात्मक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहेगा। समारोह के अंत में अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया तथा सफल आयोजन के लिए आयोजक मंडल को बधाई दी गई।

जौनपुर: 8.65 ग्राम एमडीएमए के साथ एक आरोपी गिरफ्तार, 1100 रुपये नकद बरामद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में अपराध की रोकथाम और मादक

पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना महराजगंज पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस टीम ने एक व्यक्ति को अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चल रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) और क्षेत्राधिकारी बदलापुर के पर्यवेक्षण में थाना महराजगंज पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई की। दिनांक 12 अप्रैल 2026 को ग्राम घुसकुरी में एक दुकान के पास घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा गया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान अवधेश गिरी (45 वर्ष), पुत्र स्व. बुधिराम गिरी, निवासी ग्राम घुसकुरी थाना महराजगंज के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 8.65 ग्राम अवैध एमडीएमए और 1100 रुपये नकद बरामद किए गए। इस संबंध में थाना महराजगंज में मु0अ0सं0 76/26 धारा 8/22/29 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी पर पहले से भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट से जुड़े मामले शामिल हैं।

अंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर अधिवक्ताओं ने बाबा साहब को किया नमन

सुशील कुमार तिवारी
सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। रॉबर्ट्सगंज कचहरी परिसर स्थित डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन (डीबीए) भवन में सोमवार को अंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर अधिवक्ताओं ने भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर को श्रद्धापूर्वक याद किया। इस अवसर पर अधिवक्ताओं ने बाबा साहब के विचारों और सिद्धांतों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरूआत डीबीए अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह एडवोकेट द्वारा बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर की गई। इसके बाद उपस्थित सभी अधिवक्ताओं ने पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। जयंती के उपलक्ष्य में केक काटकर एक-दूसरे को खिलाया गया और कार्यक्रम को उत्साहपूर्वक मनाया गया। पूर्व अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट ने अपने संबोधन में बताया कि अंबेडकर जयंती का पहला सार्वजनिक आयोजन 14 अप्रैल 1928 को पुणे में सामाजिक कार्यकर्ता जनार्दन सदाशिव राणापिसे द्वारा किया गया था।

उन्होंने कहा कि यह परंपरा आज स्थानीय से लेकर राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर तक पहुंच चुकी है। वहीं पूर्व अध्यक्ष श्याम बिहारी यादव एडवोकेट ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने केवल भारतीय संविधान का निर्माण ही नहीं किया, बल्कि एक ऐसे भारत की कल्पना की, जहां सभी नागरिकों को समान अधिकार प्राप्त हों और किसी का मूल्य उसके जन्म के आधार पर न आंका जाए। उन्होंने कहा कि अंबेडकर जयंती हमें उनके आदर्शों को अपनाने और समाज में समानता स्थापित करने की प्रेरणा देती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीबीए अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह एडवोकेट ने की, जबकि संचालन महामंत्री राजेंद्र कुमार यादव एडवोकेट ने किया।

भाजपा के कार्यकर्ता है तो संगठन है :-रविन्द्र जायसवाल

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान-2026 के कार्यक्रम के अंतर्गत शहर उत्तरी विधान सभा क्षेत्र के राजर्षी मंडल के कार्यकताओं की कार्यशाला रविवार को शिवपुर स्थित कादम्बनी लान में हुआ। जिसका प्रदेश के स्टाम्प मंत्री रविन्द्र जायसवाल ने दीप प्रवलित कर शुभारंभ किया तथा मंडल के पार्षदगण व पदाधिकारीगणों को प्रशिक्षण कराकर कार्यक्रम को संबोधित किया। मंत्री रविन्द्र जायसवाल ने कहा कि भाजपा पार्टी के कार्यकर्ता निस्वार्थ देश व राष्ट्रहित के लिए सदैव कार्य करते है। भाजपा के कार्यकर्ता है तो संगठन है और संगठन राष्ट्र का सम्पूर्ण विकास कार्य करती है। जिससे आमजन को मुफ्त आवास, मुफ्त अनाज, आयुष्मान कार्ड व अन्य योजनाओं से लाभान्वित होते है।इस अवसर पर पूर्व एमएलसी चेतनारायण सिंह, मधुकर चित्रांश महानगर उपाध्यक्ष, महानगर महामंत्री नवीन कपूर, उत्तरी विधान सभा संयोजक अरविंद सिंह, कमलेश झा, मंडल अध्यक्ष विवेक पांडेय, पूर्व मंडल अध्यक्ष रतन कुमार मौर्या, पूर्व मंडल अध्यक्ष मनोज पांडेय, पूर्व मण्डल अध्यक्ष जे.पी. सिंह, पार्षद अशोक मौर्या, पार्षद संदीप रघुवंशी, पार्षद पंडित दीनदयाल उपाध्याय

प्रशिक्षण महाअभियान - 2026

भा.ज.पा. राजर्षि मण्डल महाश्री, उ.प्र. कुसुम पटेल, पार्षद बलिराम कन्नौजिया, पार्षद रोहित मिश्रा, पूर्व पार्षद शिवशंकर यादव, पूर्व पार्षद रोहित मौर्य, पूर्व पार्षद संदीप रघुवंशी, संचलन अनूप घोषाल, सुरेखा सिंह, मंजू सिंह, सूरज सोनकर सुधांशु पांडेय तथा मंडल पदाधिकारीगण व देवतुल्य कार्यकर्तागण उपस्थित रहें।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी अरविंद मिश्रा ने कार्यकताओं को दिया 2027 में जीत का मंत्र, अकऔर सोशल मीडिया से घर-घर पहुंचेगा BJP का संदेश

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के शिवपुर विधानसभा के लोहता मंडल में आयोजित पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के समापन सत्र में कार्यकताओं ने सोशल मीडिया और आधुनिक तकनीकों के जरिए जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने और 2027 में विजय सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी अरविंद मिश्रा ने कार्यकताओं को प्रशिक्षण दिया। तकनीकी रूप से संकल्प के साथ सशक्त बन रहे कार्यकर्ता मुख्य वक्ता अरविंद मिश्रा ने कहा कि यह प्रशिक्षण महाभियान केवल संगठन को मजबूत करने तक सीमित नहीं है, बल्कि कार्यकताओं को समाज के प्रति अधिक संवेदनशील, जागरूक और तकनीकी रूप से सक्षम बनाने का भी उद्देश्य रखता है। उन्होंने बताया कि आज के दौर में अक और सोशल मीडिया जैसे आधुनिक माध्यमों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो गई है, जिनके जरिए सरकार की योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी सीधे जनता तक पहुंचाई जा सकती है।

2027 को लेकर कार्यकताओं में उत्साह

कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं में आगामी 2027 चुनाव को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। सभी ने एकजुट होकर जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक प्रभावी तरीके से पहुंचाने और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का संकल्प लिया।

इंदौर स्थित तेजाजी नगर पुलिस ने गांजा का सप्लाई करने वाले आरोपी को पकड़ा

-प्रणित नरेंद्र तिवारी
इंदौर (उत्तरशक्ति)। दर्शन तेजाजी नगर पुलिस ने पिछले दिनों चिलम पीने वाले एक युवक को पकड़ा था उसे पर मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया और उससे पूछताछ की गई पूछताछ से पता चला कि उदय नगर देवास से यह माल (गांजा) आता है और इंदौर के अलग-अलग जगहों पर सप्लाई होता है। इसके बाद टीम ने सप्लाई करने वाले को पकड़ने का प्लान बनाया और उसे 5 किलो गांजा का आर्डर किया गया । बाइक से लोकेशन पर पहुंचा, पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ लिया

टीआई देवेंद्र ने बताया कि जगह और समय तय होने के बाद पुलिस ने इलाके में घेराबंदी कर दी। युवक बाइक पर 5 किलो 82 ग्राम गांजा लेकर पहुंच गया, जिसके बाद पुलिस ने उसे धर दबोचा। पकड़े गए आरोपी का नाम कालू (30) पिता सुरेश बघेल, निवासी ग्राम धाराजी, तहसील उदयगढ़, जिला देवास है। उसके खिलाफ मामला दर्ज कर पुलिस रिमांड पर लिया है, ताकि उससे और भी जानकारी निकाली जा सके। साथ ही यह भी पता किया जा सके कि वह किन-किन लोगों को सप्लाई करता है।

ग्राम प्रधान पर उधार हड़पने और मारपीट का आरोप, पीड़ित ने कोर्ट का लिया सहारा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के चंदवक थाना क्षेत्र के ग्राम गोवरा निवासी मनोज पाठक ने गांव के ग्राम प्रधान प्रकाश शर्मा पर उधार के पैसे हड़पने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। मामले में पीड़ित ने न्यायालय में परिवाद दाखिल कर न्याय की गुहार लगाई है।

परिवाद के अनुसार, फरवरी 2023 में आरोपी ग्राम प्रधान ने अच्छे संबंधों का हवाला देते हुए मनोज पाठक से कुल 2 लाख 50 हजार रुपये उधार लिए थे। इसमें 90 हजार रुपये बैंक के माध्यम से और 1 लाख 60 हजार रुपये नकद दिए गए। आरोप है कि इसके बदले आरोपी ने 26 मार्च 2023 को लिखित प्रमाण पत्र तथा 27 मार्च 2024 को नोटरी प्रमाण पत्र भी दिया था। पीड़ित का कहना है कि तय समय सीमा सितंबर 2024 तक रकम वापस नहीं की गई। कई बार मांग करने पर 14 नवंबर 2024 को केवल 1 लाख रुपये लौटाए गए, जबकि 1 लाख 50 हजार रुपये अब भी बकाया हैं। आरोप है कि 13 दिसंबर 2025 को जब पीड़ित अपने पैसे मांगने आरोपी के घर पहुंचा, तो उसके साथ गाली-गलौज करते हुए डंडे और हाथ से मारपीट की गई। शोर सुनकर आसपास के लोगों ने मौके पर पहुंचकर बीच-बचाव किया। इस दौरान आरोपी द्वारा दोबारा पैसे मांगने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीड़ित ने बताया कि घटना की सूचना थाना चंदवक में दी गई और उसका चिकित्सीय परीक्षण भी कराया गया, लेकिन पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने के बजाय दोनों पक्षों के खिलाफ अन्य धाराओं में कार्रवाई कर दी। इसके बाद पुलिस अधीक्षक को भी प्रार्थना पत्र दिया गया, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। पीड़ित का यह भी आरोप है कि आरोपी ने अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए उसके खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज करा दिया। मारपीट में पीड़ित के हाथ में गंभीर चोटें आई हैं, जिसमें बाएं हाथ की छोटी अंगुली टूटने की बात सामने आई है। उसका इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डोभी और जिला अस्पताल जौनपुर में कराया गया। अब पीड़ित ने न्यायालय से मामले में एफआईआर दर्ज कर निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

कुकुहा में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग, 25 बीघा गेहूं व भूसा जलकर

शुभम यादव
गौराबादशाहपुर ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सोमवार। थाना क्षेत्र के कुकुहा गांव में सोमवार दोपहर करीब एक बजे 11,000 वोल्टेज की विद्युत लाइन में हुए शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। बताया जा रहा है कि काफी समय से ढीले पड़े बिजली के तार तेज हवा के कारण आपस में टकरा गए, जिससे निकली चिंगारी ने विकराल रूप धारण कर लिया। देखते ही देखते आग आसपास के खेतों में फैल गई और तैयार खड़ी गेहूं की फसल को अपनी चपेट में ले लिया। इस भीषण अग्निकांड में गांव के एक ही परिवार के पट्टीदार—अखिलेश यादव, दया यादव, सेवा यादव, हरिश्चंद्र यादव और अजय यादव—की संयुक्त रूप से लगभग 6 बीघा फसल जलकर नष्ट हो गई। इसके अलावा राम केवल की 3 बीघा, अनिल सिंह की 15 बिस्वा, राजेंद्र यादव की 3 बीघा, शिवफल की 1 बीघा, कन्हैया की 1 बीघा, अरशद की 10 बिस्वा, धीरज यादव की 1 बीघा तथा चंद्रिका यादव की फसल और भूसा भी आग की भेंट चढ़ गया। कुल मिलाकर करीब 25 बीघा गेहूं की फसल जलकर खाक हो गई। ग्रामीणों ने आग बुझाने का काफी प्रयास किया, लेकिन तेज हवा और विकराल लपटों के चलते आग पर काबू पाना मुश्किल हो गया। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया। मौके पर पीआरवी 112 और राजस्व लेखपाल ने पहुंचकर नुकसान का आकलन किया और रिपोर्ट तैयार की। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बिजली के तार लंबे समय से ढीले थे, जिसकी शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस घटना से किसानों की महीनों की मेहनत पल भर में जलकर राख हो गई, जिससे गांव में भारी आक्रोश व्याप्त है।

मिजार्पुर में अधिवक्ता की हत्या पर भड़के वकील, सख्त कार्रवाई की मांग

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। जनपद मिजार्पुर में एक अधिवक्ता की गोली मारकर हत्या किए जाने की घटना को लेकर सोमवार को सोनभद्र बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं में आक्रोश फैल गया। नाराज अधिवक्ताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की और महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। अधिवक्ताओं ने मांग उठाई कि मृतक अधिवक्ता के आश्रित परिवार को एक करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाए तथा अधिवक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू किया जाए। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक प्रसाद श्रीवास्तव एडवोकेट ने कहा कि अधिवक्ताओं की सुरक्षा की गारंटी बेहद जरूरी है और यह तभी संभव है जब अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट को प्रभावी रूप से लागू किया जाए। उन्होंने मिजार्पुर की घटना की निंदा करते हुए कहा कि दिनदहाड़े एक अधिवक्ता की हत्या होना कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। उन्होंने मृतक परिवार के भरण-पोषण के लिए एक करोड़ रुपये मुआवजा दिए जाने की मांग की।

इस दौरान महामंत्री योगेश कुमार द्विवेदी एडवोकेट, कोषाध्यक्ष बंशीधर पाण्डेय एडवोकेट, वरिष्ठ उपाध्यक्ष गोविन्द प्रसाद मिश्र एडवोकेट, गीता गौर एडवोकेट, शालिनी पाण्डेय एडवोकेट, अनुज अवस्थी एडवोकेट, कुणाल सिंह एडवोकेट, राघवेंद्र तिवारी एडवोकेट, अविनाश एडवोकेट सहित अन्य अधिवक्ता मौजूद रहे।

पवॉरा स्थित सेमरिया में शार्ट सर्किट से कई बीघा गेहूं जल कर राख

विष्णु कांत मिश्रा
जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पवॉरा पावर हाउस के बगल स्थित सेमरिया गांव में शार्ट सर्किट से गेहू की फसल में आग लगभग 12:30 बजे लगी आग लप्टे को देखकर गांव के लोग पहुंचे और सूचना पर फायर ब्रिगेड के अधिकारी अनिल कुमार यादव अपनी दो युनिट के साथ तत्परता दिखाते हुए आग पर काबू पा लिया। वहीं थाना अध्यक्ष अनिल कुमार भी मौके पर पहुंच गए आग लगने से करीब करीब 12 बीघा फसल जलकर राख हो गई । आग लगने से किसान सुशील दुबे , ब्रह्मदेई, इंद्रदेव दुबे, विनय दुबे, ललित दुबे, राजेश दुबे, सुरेंद्र दुबे, प्रेम सागर दुबे , रोहित यादव , धर्मवीर यादव, भगौतीदीन यादव व सोनकली, रामनारायण दूबे , आशीष, हृदय नारायण, सुरेश दुबे का लगभग 12 बीघा गेहूं खड़ी फसल जल कर राख हो गई। वहीं दिनांक 12 अप्रैल को सुजानगंज स्थित चौजितपुर गांव में दोपहर में 11 हजार वोल्ट का तार गिरने से सत्यवान शर्मा की खड़ी फसल जल कर राख हो गई हैं। पीड़ित किसानों ने जिला प्रशासन से सहायता मिलने की राह जोह रहे हैं। अब देखना है कि जिला प्रशासन किसानो को कितना सहायता प्रदान करती है।

कम्पोजिट विद्यालय आदर्श केराकत के प्रांगण से निकाली गई स्कूल चलो अभियान रैली

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्कूल चलो अभियान के तहत सोमवार को नगर के शेखजादा स्थित कम्पोजिट विद्यालय आदर्श केराकत के प्रांगण से जागरूकता रैली निकाली गई। रैली को एसडीएम शैलेन्द्र कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि एक एक बच्चे को शिक्षा पाने का अधिकार है और जब बच्चों को सही शिक्षा मिलेगी, तभी देश का समुचित विकास संभव हो सकेगा।

रैली में शामिल स्कूली बच्चों ने शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाते हुए नगर के विभिन्न मार्गों से भ्रमण किया। यह रैली कम्पोजिट स्कूल आदर्श केराकत के प्रांगण से निकलकर गोलावार्ड तक गई और पुनः वापस आकर विद्यालय प्रांगण में एक कार्यक्रम के रूप में परिवर्तित हो गई। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी अखिलेश कुमार झा ने शिक्षकों से आह्वान किया कि क्षेत्र का कोई भी बच्चा नामांकन से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि सभी शिक्षक यह सुनिश्चित करें कि हर बच्चे का विद्यालय में प्रवेश हो। कार्यक्रम में प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष संजय सिंह, महामंत्री धीरज सिंह, सभासद मनोज कुमार यादव प्रधानाध्यापक मोहीयुद्दीन अंसारी, समस्त एङ्गआरङ्गपीङ्ग वर्तमान पूर्व एङ्गआरङ्गपीङ्ग सन्तोष सिंह सङ्गअङ्ग लालचंद्र यादव, मनोज कुमार मौर्य, वर्षा मौर्या अनुदेशक विजय कुमार सिंह, अनीता के साथ साथ विकास सिंह, अभिषेक सिंह उर्फ चंचल सिंह सहित अन्य शिक्षक व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

समाजवादी पार्टी की भीम सन्देश यात्रा निकालेगी आज: नीरज पहलवाल ,शाम को पाँच बजे से सेक्टरों में मनाई जायेगी बाबा साहब की जयंती

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी की विधानसभा इकाई के तत्वावधान में अंबेडकर जयंती के अवसर पर एक भीम सन्देश यात्रा 14 अप्रैल को सुबह सात बजे से पार्टी कार्यालय केराकत से निकाली जाएगी। उक्त जानकारी देते हुए समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं केराकत विधानसभा अध्यक्ष नीरज पहलवान ने बताया कि यात्रा बाई पास रोड केराकत स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय से निकाली जाएगी जो मुख्य बाजारों से होते हुए थानागद्दी,मोढ़ैला,चंदवक,और खुज्जी मोड़ से वापस केराकत आ कर सभा के रूप में तब्दील हो जाएगी। यात्रा में मोटर साइकिल पर चलनें वाले यात्री झंडा लगाकर चलनें का कार्य करेंगे ! यात्रा के दौरान रास्ते में पड़ने वाली डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण भी किया जाएगा।

अमेरिका में बिना किसी प्रतिबंध के युवाओं में तंबाकू सेवन में लगातार गिरावट

मुंबई। यू.एस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने बिना किसी टिप्पणी के 2025 नेशनल यूथ टोबैको सर्वे (एनवाईटीएस) के डेटा जारी किया है। इसमें अमेरिका में मिडिल और हाई स्कूल के स्टूडेंट्स में टोबैको और निकोटीन के इस्तेमाल में लगातार गिरावट देखी गई है। ये नतीजे दर्शाते हैं कि युवाओं में वेपिंग की दर लगातार तीसरे साल कम हुई है, जिससे पिछले कुछ सर्वे में देखे गए गिरावट के रुझान की पुष्टि होती है। स्कूलों में किए जाने वाले इस वार्षिक सर्वे में कक्षा 6 से कक्षा 12 तक के स्टूडेंट्स के बीच धूम्रपान के उपयोग, दृष्टिकोण और प्रो एवं एंटी टोबैको मैसेजिंग के एक्सपोजर का राष्ट्रीय डेटा एकत्रित किया जाता है। एनवाईटीएस सबसे पहले साल 1999 में कराया गया था, जिसके बाद इसने लंबे समय से अमेरिका में युवा तम्बाकू नीति का मार्गदर्शन किया है। साल 2012 से यह सर्वे एफडीए और सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन द्वारा संयुक्त रूप से कराया जा रहा था और साल 2025 में यह पूरी तरह से एफडीए की देखरेख में आ गया। 2025 एनवाईटीएस सर्वे के अनुसार, तम्बाकू का सेवन साल 2024 में 8.1 प्रतिशत से घटकर 7.5 प्रतिशत रह गया। ई-सिगरेट का उपयोग गिरकर 5.2 प्रतिशत तक पहुँच गया (लगभग 1.4 मिलियन युवाओं तक), जो पिछले दस सालों में सबसे कम है। धूम्रपान का स्तर 1.4 प्रतिशत पर बना हुआ है। निकोटीन पाउच का उपयोग भी कम और लगभग स्थिर बना हुआ है। गम और लॉजेंज जैसे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल भी काफी कम हो गया, जो 1.2 प्रतिशत से घटकर 0.6 प्रतिशत रह गया। Nicokick.com की वाईस प्रेसिडेंट, रैगुलेटरी अफेयर्स, लॉरा ली ऑयलर ने कहा, एफडीए ने अपनी नीति और डिसीजन मेकिंग में कई सालों से युवाओं द्वारा तम्बाकू और निकोटीन के सेवन पर अपना ध्यान केंद्रित किया। इन प्रोडक्ट्स के जोखिम पर केंद्रित व्यस्कों के शिक्षा प्रोग्राम पर अभी भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है। पूरे उद्योग में एक बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि उन्होंने यह डेटा चुपचाप जारी क्यों किया तथा इस डेटा की व्याख्या कैसे करनी है, इस बारे में कोई मार्गदर्शन क्यों नहीं दिया। एफडीए ने इस्तेमाल की दर का विश्लेषण करने और इसका निर्धारण करने का फैसला उद्योग एवं अन्य हितधारकों पर छोड़ दिया है।

नए लेबर कोड से बदलेगा कारपेट उद्योग का चेहरा

* सीईपीसी के वेबिनार में निर्यातकों की भागीदारी, कारीगरों की सुरक्षा और व्यापार को गति देने पर गहन मंथन
* निर्यातकों को किया जागरूक, कारीगरों के अधिकार और बिजनेस ग्रोथ पर फोकस
* श्रम कानूनों में बदलाव से कालीन निर्यात को मिलेगी नई ताकत
* नए नियमों से सुरक्षा, सम्मान और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को मिलेगा बढ़ावा

-सुरेश गांधी

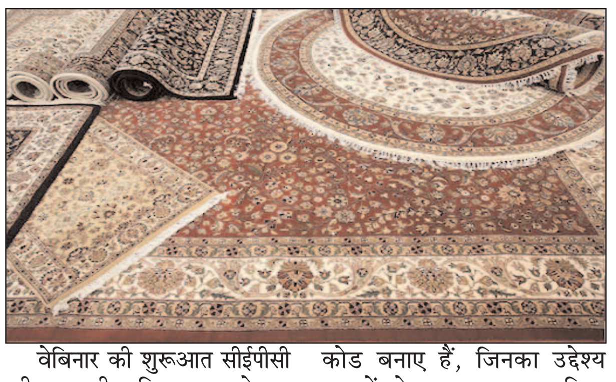

वाराणसी. कारपेट एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (सीईपीसी) ने अपने रजिस्टर्ड सदस्य निर्यातकों को नए श्रम कानूनों और उनके प्रभाव से अवगत कराने के लिए एक विशेष वेबिनार का आयोजन किया। इस वेबिनार में 50 से अधिक निर्यातकों ने हिस्सा लिया, जहां इंडियन हैंडमेड कारपेट इंडस्ट्री पर नए लेबर कोड्स के प्रभाव पर विस्तार से चर्चा हुई।

वेबिनार की शुरूआत सीईपीसी की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर (ऑफिशिएटिंग) डॉ. स्मिता नागरकोटी के स्वागत संबोधन से हुई। इसके बाद चेयरमैन कैप्टन मुकेश कुमार गोम्बर ने अपने कीनोट एड्रेस में इस पहल के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए कहा कि बदलते श्रम कानूनों के बीच निर्यातकों को जागरूक करना समय की जरूरत है।

मुख्य वक्ता के रूप में वी.वी. गिरी नेशनल लेबर इंस्टीट्यूट के सीनियर फेलो डॉ. संजय उपाध्याय ने बताया कि केंद्र सरकार ने 29 श्रम कानूनों को समाहित कर चार लेबर कोड बनाए हैं, जिनका उद्देश्य कानूनों को सरल बनाना, सामाजिक सुरक्षा को सार्वभौमिक करना और कार्यबल को औपचारिक रूप देना है। उन्होंने कोड ऑन वेजेज 2019, कोड ऑन सोशल सिक्योरिटी 2020, ऑक्यूपेशनल सेफ्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशंस कोड 2020 और इंडस्ट्रियल रिलेशन्स कोड 2020 की विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि इन कोड्स को प्रभावी तरीके से लागू किया जाए तो यह कारीगरों को सुरक्षा, सम्मान और बेहतर अवसर प्रदान कर सकते हैं, जिससे भारतीय हस्तनिर्मित कालीन उद्योग को वैश्विक स्तर पर मजबूती मिलेगी। पूर्व उप मुख्य श्रम आयुक्त (केंद्रीय) तेज बहादुर ने अपने संबोधन में मजदूरी की नई परिभाषा, पीएफ, ईएसआई, ग्रेच्युटी और अवकाश नकदीकरण पर पड़ने वाले प्रभावों की विस्तार से जानकारी दी। साथ ही अनुबंध श्रम व्यवस्था में नियोक्ता और ठेकेदार की जिम्मेदारियों और श्रमिकों के अधिकारों पर भी प्रकाश डाला।

वेबिनार के ओपन हाउस सत्र में निर्यातकों ने सक्रिय रूप से अपने सवाल रखे, जिनका विशेषज्ञों ने विस्तार से जवाब दिया। समापन सत्र में सीईपीसी के उपाध्यक्ष असलम महबूब ने कहा कि यह वेबिनार निर्यातकों के लिए बेहद उपयोगी और मार्गदर्शक साबित हुआ। उन्होंने सभी प्रतिभागियों और विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया। यह इंटरैक्टिव सत्र न केवल जागरूकता बढ़ाने में सफल रहा, बल्कि कारपेट उद्योग को नए श्रम कानूनों के अनुरूप ढालने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल भी साबित हुआ।

पश्चिम एशिया संकटः नागरिकों की सुरक्षा-निकासी में केंद्रीय भूमिका निभा रहे भारतीय मिशन

नई दिल्ली। ईरान-इजरायल संघर्ष और क्षेत्रीय तनाव के बीच, तेहरान स्थित भारतीय दूतावास वहां फंसे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और निकासी में केंद्रीय भूमिका निभा रहा है। हालिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भारतीय दूतावास ने ऑपरेशन सिंधु और अन्य निकासी प्रयासों के तहत हजारों भारतीयों को सुरक्षित वापस लाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। ईरानी हवाई क्षेत्र बंद होने और उड़ानों की कमी के कारण, दूतावास ने आर्मेनिया और अजरबैजान के साथ समन्वय करके जमीनी रास्तों से निकासी की व्यवस्था की है। संघर्ष शुरू होने के बाद हाल ही में करीब 22,00 से अधिक भारतीय नागरिकों को इन रास्तों से निकाला गया है, जिनमें मुख्य रूप से लगभग 1000 छात्र और 650 से अधिक मछुआरे शामिल हैं। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने 11 अप्रैल को बताया कि 312 और भारतीय मछुआरों को ईरान से सुरक्षित निकाला गया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 312 और भारतीय मछुआरों को आर्मेनिया के रास्ते ईरान से सुरक्षित भारत लाया गया। इसे मुमकिन बनाने के लिए आर्मेनिया सरकार और मेरे दोस्त अरारत मिजोर्यान का शुक्रिया। इसके अलावा डॉ. जयशंकर ने 12 अप्रैल को अपने यूएई दौरे के दौरान राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायेद से मिलकर क्षेत्र में व्याप्त संघर्ष के दौरान भारतीय समुदाय की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए उनके प्रति अपना आभार व्यक्त किया। इससे पहले 5 अप्रैल को पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच ईरान में फंसे 345 भारतीय मछुआरों को आर्मेनिया के रास्ते सुरक्षित चेन्नई लाया गया था। भारतीय विदेश मंत्रालय और तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने हवाई मार्ग बंद होने के बावजूद मुसीबत में फंसे भारतीयों की मदद के लिए हर संभव प्रयास शुरू किए और अब अलग-अलग जत्थों और चरणों में भारतीयों की वतन वापसी जारी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में आर्मेनिया के रास्ते निकाले गए लोगों में अधिकतर तमिलनाडु के कन्याकुमारी, तूत्तुकुडी, तिरुनेलवेली और नागपट्टिनम जिलों के रहने वाले मछुआरे शामिल हैं।

फुले व अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में विशाल रक्तदान शिविर आयोजित,70 युनिट हुए संग्रहण

चिराना। कस्बे में मांगीलाल जी की धर्मशाला में सोमवार को महावीर इंटरनेशनल वीर बहुजन सेवा केन्द्र चिराना के तत्वाधान में महात्मा ज्योतिबा फुले व डॉ भीमराव अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नवलगढ़ विधायक विक्रम सिंह जाखल रहे। कार्यक्रम में झुंझुनू सीएमएचओ डॉ छोटेलाल गुर्जर ने भी शिरकत की। आयोजक चांडोलिया परिवार कि ओर से अतिथियों का माला व साफा पहनाकर अभिनंदन किया गया तथा अतिथियों द्वारा रक्तदाताओं का होंसला बढाया गया तथा आयोजकों को धन्यवाद दिया। रक्तदान शिविर में गुरुकृपा ब्लड बैंक व एस.के. हास्पिटल के ब्लड यूनिट टीम ने कुल 70 युनिट्स रक्त का संग्रहण किया। आयोजक चांडोलिया परिवार ने शिविर में सहयोग देने वालें कार्यकताओं का सम्मानित किया व पर्यावरण को बढ़ावा देते हुए सभी को पौधा लगा गमला भी दिया।कार्यक्रम का मंच संचालन अध्यापक संतोष कुमावत व रामावतार कल्याण ने किया इस दौरान महंत योगी दास महाराज गोल्याना गौशाला, प्रशासक राजेन्द्र सिंह शेखावत, डॉ राजेन्द्र कुमावत, गिरधारी लाल चांडोलिया, प्रभाती लाल सैनी, लोहार्गल प्रशासक जगमोहन सिंह शेखावत, रामदेव जांगिड़, बिरजू राम कुमावत, अनिल बारी,वीरेंद्र सिंह शेखावत,विक्रम सिंह तंवर,जॉन चेयरमैन वीर डॉ सत्य नारायण शुक्ला,जॉन सेक्रेटरी सुमेर सिंह कर्णावत,सुशील कुमार अग्रवाल,बाबूलाल सैनी, रामलाल कुमावत,बसेसर छिनवाल,रामावतार सिहोत्रा, रिछपाल सैनी,मनोहर लाल जांगिड़,ओमप्रकाश चांडोलिया, प्रभु दयाल,चांडोलिया,परसाराम, श्रवण चंदेल,रणजीत सिहोत्रा, मनोज कल्याण,छोटेलाल माहिच,चेतन कुमावत,राकेश कुमावत,सुशील कुमावत,राहुल कल्याण,रवि सैनी सहित कई गौ रक्षक दल के सदस्यों सहित सैंकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

ल्कम ने 'A-Z Daily' मल्टीविटामिन सप्लीमेंट लॉन्च किया

मुंबई। अल्केम लैबोरेटरीज लिमिटेड ने आज 'A-Z Daily'नाम से एक रोजाना लिया जाने वाला मल्टीविटामिन सप्लीमेंट लॉन्च किया । इस सप्लीमेंट का उद्देश्य वयस्कों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों को पोषित करना है। 'A-Z Daily'टैबलेट्स में कुल 26 आवश्यक विटामिन्स, मिनरल्स और बॉटनिकल्स शामिल हैं, जो शरीर को संतुलित पोषण देते हैं। इसमें विटामिन बी कॉम्प्लेक्स, विटामिन डी3, विटामिन सी, जिंक और आयरन जैसे तत्व हैं, जो शरीर की ऊर्जा बढ़ाते हैं, थकान कम करते हैं और प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी) को मजबूत करते हैं। इसके साथ ही, इसमें अश्वगंधा, ब्राह्मी, पैनैक्स जिनसेंग और 'एल-थियानिन' जैसे वैज्ञानिक रूप से परखे गए तत्व भी शामिल हैं। ये तत्व तनाव और चिंता को कम करने, नींद की क्वालिटी सुधारने और दिमागी कार्यक्षमता को बेहतर बनाने में सहायक होते हैं। आमतौर पर मल्टीविटामिन्स सिर्फ पोषण की कमी को पूरा करने के लिए लिए जाते हैं, लेकिन 'A-Z Daily' को इस तरह तैयार किया गया है कि यह शारीरिक ऊर्जा के साथ-साथ रोजमर्रा के मानसिक दबाव के बीच संतुलन बनाए रखने में भी मदद कर सके। इसे लंबे समय तक नियमित रूप से इस्तेमाल करने के लिए बनाया गया है, ताकि यह बेहतर स्वास्थ्य की दिशा में एक निवारक के तौर पर काम कर सके। इस लॉन्च पर अल्केम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, डॉ. विकास गुप्ता ने कहा, आज की जीवनशैली न केवल शरीर पर बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी लगातार दबाव डाल रही है। लोग बढ़ते तनाव, थकान और एकाग्रता में कमी महसूस कर रहे हैं। सही तरीके से तैयार किए गए न्यूट्रिशनल सप्लीमेंट्स इन चुनौतियों से निपटने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

सैमसंग ने एडवांस एआई फीचर्स के साथ रेफ्रिजरेटर्स की नई रेंज लॉन्च की

मुंबई। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने अपने 'बीस्पोक एआई टॉप-माउंट फ्रीजर' रेफ्रिजरेटर लाइन-अप के विस्तार की घोषणा की है। यह नई रेंज भारतीय घरों में समझदारी भरी बिजली बचत और आधुनिक लुक लाने के लिए तैयार की गई है। शानदार बीस्पोक डिजाइन वाले इन रेफ्रिजरेटर्स में एडवांस एआई फीचर्स, स्मार्ट कनेक्टिविटी और भरोसेमंद परफॉरमेंस का बेहतरीन मेल है।

विजय सेल्स की एप्पल डेज सेल शुरू

मुंबई। भारत की प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेल चेन, विजय सेल्स ने अपनी बहुप्रतीक्षित एप्पल डेज सेल की वापसी की घोषणा कर दी है। यह सेल 160 से अधिक रिटेल आउटलेट्स और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म विजय सेल्स डॉटकॉम पर शुरू हो गई है। यह विशेष सेल, जिसके 16 अप्रैल, 2026 तक समाप्त होने की उम्मीद है, नए आईफोन, आईपैड, मैकबुक, एयरपॉड्स और अन्य एप्पल उत्पादों पर शानदार डील्स पेश करेगी। इस सेल का उत्साह 15 अप्रैल 2026 को चरम पर होगा, जब विजय सेल्स एप्पल वॉच सीरीज 11 और SE जैसे वियरेबल प्रोडक्ट्स पर खास कीमतों का ऐलान करेगा।

सामान्य छूट से आगे बढ़ते हुए, एप्पल डेज का यह एडिशन ग्राहकों को एप्पल प्रोडक्ट्स पर आकर्षक कीमतें, बेहतर अपग्रेड विकल्प और अतिरिक्त फायदे देता है। इससे एप्पल उत्पाद खरीदना या अपग्रेड करना अब पहले से ज्यादा आसान और फायदे का सौदा बन गया है।

सेल के दौरान ग्राहक नए आईफोन मॉडल्स– आईफोन 17, आईफोन 17ए, आईफोन 17 प्रो, आईफोन 17 प्रो मैक्स और आईफोन एयर –पर आकर्षक ऑफर्स का लाभ उठा सकते हैं। इसके साथ ही आईफोन 16, आईफोन 16 प्लस, आईफोन 16ए और आईफोन 15 जैसे पुराने मॉडल भी उपलब्ध हैं। इन सभी डिवाइसेस पर ऐक्सिस, आईसीआईसीआई और एसबीआई बैंक कार्ड्स के जरिए तुरंत 4,000 रुपए तक की छूट मिल रही है। वहीं, एक्सचेंज ऑफर के तहत ग्राहकों को 10,000 रुपए तक का अतिरिक्त फायदा भी मिल सकता है। यह सेल एप्पल के पावरफुल कंप्यूटर प्रोडक्ट्स पर भी लागू है, जिसमें नया मैकबुक नियो, मैकबुक एयर और मैकबुक प्रो शामिल हैं। मैकबुक नियो की शुरूआती कीमत 60,290 रुपये है, जबकि 13 इंच और 15 इंच में उपलब्ध मैकबुक एयर 1,03,290 रुपये से शुरू होती है। मैकबुक प्रो, जो प्रो-लेवल परफॉर्मेंस देता है, 1,75,390 रुपये से शुरू होता है। इन सभी मैकबुक मॉडल्स पर ऐक्सिस, आईसीआईसीआई और एसबीआई बैंक कार्ड्स के जरिए 7,000 रुपए तक की तुरंत छूट मिल रही है। साथ ही, स्टोर्स पर 10,000 रुपए तक का एक्सचेंज बोनस भी दिया जा रहा है। आईपैड यूजर्स के लिए विजय सेल्स पर शानदार ऑफर मिल रहे हैं। नई आइपैड सीरीज–आइपैड 11इँ जेन, आइपैड एयर और आइपैड प्रो–एडवांस्ड चिपसेट के साथ 30,490 रुपये से शुरू होती है। इन सभी मॉडल्स पर 3,000 रुपए तक की तुरंत छूट का फायदा भी दिया जा रहा है।

राजातालाब की रॉयल पारी, 168 का पहाड़ चढ़कर बनी चैंपियन

वाराणसी. जब बल्ले से रन बरसते हैं, गेंद हवा से बातें करती है और मैदान पर हर पल रोमांच सांसें थाम देता है, तो वही असली क्रिकेट होता है। 15वें लेट भोलानाथ गुप्ता मेमोरियल इंटर-स्कूल मैत्री सहयोग क्रिकेट टूर्नामेंटझ्र2026 में कुछ ऐसा ही रोमांच देखने को मिला, जहां युवा खिलाड़ियों ने अपने खेल से मैदान को तालियों और उत्साह से सराबोर कर दिया। उनके जोश, जुनून और जज्बे का हर कोई कायल दिखा. सुबह से ही मैदान पर दर्शकों की भीड़ उमड़ पड़ी थी। हर चौका-छक्का तालियों की गूंज में बदल रहा था, तो हर विकेट पर उत्साह चरम पर पहुंच रहा था। या यूं कहे इस क्रिकेट संग्राम में ऊर्जा, प्रतिस्पर्धा और खेल भावना का अद्भुत संगम देखने को मिला। आयोजन समिति के चेयरमैन विजय कुमार जायसवाल, वाइस चेयरमैन नीलकांत गुप्ता, वाइस मैनेजर शशिकांत गुप्ता, कोषाध्यक्ष रामानंद जायसवाल और डिप्टी डायरेक्टर के.के. पांडेय, की सटीक रणनीति और बेहतर व्यवस्थाओं ने टूर्नामेंट को यादगार बना दिया। टूर्नामेंट के लीग मुकाबलों में ही साफ हो गया था कि इस बार मुकाबला आसान नहीं होगा। मुकाबला कांटे का होगा। पहले मैच में वीपीएस राजातालाब ने अपने इरादे जाहिर करते हुए पी.एस. पब्लिक स्कूल को 50 रनों से करारी शिकस्त दी। इस मैच में राजातालाब के बल्लेबाजों ने आक्रामक अंदाज अपनाते हुए विपक्षी गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। दूसरे मैच में एसएनएस पब्लिक स्कूल और वीपीएस केराकतपुर के बीच जबरदस्त भिड़ंत हुई।

मिस एंड किड्स एशिया सुपर मॉडल 2026 व यूथ आइकन इंडियन अवॉर्ड्सका भव्य आयोजन

मुंबई। पिछले दिनों अंधेरी स्थित मुक्ति कल्चर हॉल में मिस एंड किड्स एशिया सुपर मॉडल 2026 (सीजन-2) एवं यूथ आइकन इंडियन अवॉर्ड्स (सीजन-3) का भव्य और शानदार आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का सफल संचालन गणेश साहू और शीबा शेख (शीबा मीडिया वर्क) द्वारा किया गया, जिसमें बॉलीवुड, राजनीति, प्रशासन और समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी कई प्रतिष्ठित हस्तियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हाजी अली दरगाह और माहिम दरगाह के ट्रस्टी सुहैल खंडवानी तथा दैनिक मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस खान विशेष रूप से उपस्थित रहे, जिनकी मौजूदगी ने आयोजन की गरिमा को और बढ़ा दिया।

इस भव्य आयोजन की शो एंकर जानी-मानी एक्ट्रेस, मॉडल एवं पूर्व मिस इंडिया सिमरन आहूजा रहीं। उन्होंने अपने प्रभावशाली मंच संचालन और ऊर्जा से भरपूर प्रस्तुति के जरिए पूरे माहौल को जीवंत बना दिया। कार्यक्रम के दौरान समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कई गणमान्य व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। इनमें साजिद पटेल, राज सिंह राठौर, राजू पंडेकर, विजय शाह, मुंबई पुलिस के डीसीपी राज खतीब, पुलिस इंस्पेक्टर रमेश केशव निकम, फूल सिंह और नेहा शर्मा सहित कई प्रमुख नाम शामिल रहे। इस अवसर पर परेश मनियार और परिता मनियार (पवित्रम डायमंड ज्वेलरी) ने भी अपनी सक्रिय भागीदारी से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। फैशन शो के दौरान विभिन्न मॉडलों ने रैंप वॉक कर दर्शकों का दिल जीत लिया। प्रसिद्ध डिजाइनर्स राज शर्मा, एम्बर शफीक (पाकिस्तानी ड्रेस डिजाइनर) और राजेश शर्मा द्वारा तैयार किए गए आकर्षक परिधानों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। वहीं कोरियोग्राफर एवं ग्रूमिंग मेंटर्स की बेहतरीन प्रस्तुति ने शो को और भी प्रभावशाली बना दिया। कार्यक्रम का एक खास आकर्षण दिवियापुर (उत्तर प्रदेश) के प्रसिद्ध जादूगर रौशाली बॉस रहे, जिन्होंने अपने अद्भुत जादुई करतबों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस भव्य आयोजन में बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की फिल्म लकी की अभिनेत्री स्नेहा उल्लाल की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी खास बना दिया। उन्होंने अपने लोकप्रिय गीत पर शानदार प्रस्तुति देकर सभी का दिल जीत लिया। मुक्ति कल्चर हॉल, अंधेरी में आयोजित इस कार्यक्रम में बॉलीवुड की कई नामचीन हस्तियों की मौजूदगी ने इसे यादगार बना दिया। यह आयोजन न केवल मनोरंजन का माध्यम बना, बल्कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित करने का एक सराहनीय प्रयास भी साबित हुआ।

भोयदापाड़ा से नायगांव ईस्ट तक सड़क और सीवरेज कार्य का शुभारंभ

वसई। वसई विधानसभा की विधायक श्रीमती स्नेहा ताई दुबे पंडित ने भोयदापाड़ा से राजावली होते हुए नायगांव (ईस्ट) स्थित वामन ढाबा तक सड़क सुदृढ़ीकरण और आरसीसी पाइप सीवर निर्माण कार्य का उद्घाटन 12 अप्रैल 2026 को किया। यह कार्य वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (वार्ड कमिटी 'G') के अंतर्गत किया जा रहा है। इस मार्ग की स्थिति लंबे समय से खराब थी, जिसे लेकर विधायक स्नेहा दुबे पंडित लगातार सड़क मरम्मत और सीवरेज निर्माण की मांग कर रही थीं। नगर निगम ने इस प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए नवंबर 2025 में टेंडर प्रक्रिया शुरू की थी, लेकिन चुनाव आचार संहिता लागू होने के कारण कार्य में देरी हुई। आचार संहिता समाप्त होने के बाद प्रशासन ने प्रक्रिया पूरी कर वर्क ऑर्डर जारी किया, जिसके तहत अब सड़क को मजबूत बनाने, डामरीकरण/कंक्रीटीकरण और आधुनिक आरसीसी पाइप सीवर निर्माण का कार्य शुरू किया गया है। इस परियोजना से क्षेत्र में बेहतर सड़क सुविधा, सुगम आवागमन और सीवेज व वर्षा जल निकासी की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित होगी। इससे स्वच्छता में सुधार आएगा और स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। भोयदापाड़ा, राजावली और नायगांव (ईस्ट) के हजारों नागरिकों को इस विकास कार्य का सीधा लाभ मिलेगा, जिससे क्षेत्र के समग्र विकास को गति मिलेगी। कार्यक्रम में बोईसर विधानसभा के विधायक विलास तारे सहित कई गणमान्य व्यक्ति, पदाधिकारी, कार्यकर्ता, स्थानीय नागरिक और पत्रकार उपस्थित रहे।

इस अवसर पर विधायक स्नेहा ताई दुबे पंडित ने कहा कि नागरिकों को अच्छी सड़कें, मजबूत ड्रेनेज सिस्टम और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है, और भविष्य में भी ऐसे विकास कार्य जारी रहेंगे।

प्रतिभा 2026 में चमकी मेधा की रोशनी, सम्मान के मंच पर सजे सपनों के सितारे

वाराणसी. शिक्षा जब केवल अंक प्राप्त करने का माध्यम न रहकर व्यक्तित्व निर्माण का आधार बन जाए, तब ऐसे आयोजन इतिहास रचते हैं। कुछ ऐसा ही गौरवपूर्ण दृश्य सोमवार को बंगालीपुर, राजातालाब स्थित वाराणसी पब्लिक स्कूल के परिसर में देखने को मिला, जब 15वें स्व. भोलानाथ गुप्ता मेमोरियल स्कॉलर्स अवार्ड समारोह, प्रतिभा 2026 का भव्य आयोजन हुआ। पूरा परिसर मेधावी छात्रों की उपलब्धियों और उनके उज्ज्वल भविष्य की आभा से दमक उठा।

यह समारोह नर्सरी से कक्षा 9 और कक्षा 11 तक के विद्यार्थियों की शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुशासन और निरंतर परिश्रम को सम्मानित करने के लिए समर्पित रहा। मंच पर एक ओर जहां प्रतिभाओं की चमक थी, वहीं दूसरी ओर अभिभावकों की गर्व भरी आंखों में संतोष और उम्मीद का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रोहनिया विधायक डॉ. सुनील पटेल की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। उनके साथ विद्यालय के चेयरमैन विजय कुमार जायसवाल, वाइस चेयरमैन नीलकांत गुप्ता, वाइस मैनेजर शशिकांत गुप्ता तथा डिप्टी डायरेक्टर के.के. पांडेय मंच पर उपस्थित रहे। सभी गणमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और स्व. भोलानाथ गुप्ता जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना से हुई, जिसने पूरे वातावरण को भक्तिमय और ऊर्जा से भर दिया। इसके बाद स्वागत गीत और छात्र-छात्राओं की मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। हर प्रस्तुति में भारतीय संस्कृति की झलक और विद्यार्थियों की प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन देखने को मिला। समारोह की सबसे भावुक तस्वीर तब उभरी, जब अभिभावकों ने अपने बच्चों को मंच पर सम्मानित होते देखा। तालियों की गूंज और आंखों में खुशी के आंसू इस बात के साक्षी बने कि बच्चों की सफलता के पीछे परिवार का योगदान कितना महत्वपूर्ण होता है। यह उपस्थिति न केवल उत्साहवर्धन थी, बल्कि विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बनी। समारोह का मुख्य आकर्षण रहा मेधावी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र और पदक प्रदान कर सम्मानित करना। मंच पर जब एक-एक कर छात्र-छात्राएं अपने पुरस्कार लेने पहुंचे, तो पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इस अवसर पर चेयरमैन विजय कुमार जायसवाल ने अपने प्रेरक संबोधन में कहा, सफलता कोई मंजिल नहीं, बल्कि एक सतत यात्रा है, जिसमें निरंतर सीखना और आगे बढ़ना ही असली उपलब्धि है। वहीं, अतिरिक्त निदेशक ने विद्यार्थियों को बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य दिलीप कुमार पांडेय ने सभी अतिथियों, अभिभावकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन न केवल छात्रों को प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि उन्हें जीवन में उत्कृष्टता की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा भी देते हैं। इसके बाद अतिथियों का सम्मान और सामूहिक छायांकन के साथ कार्यक्रम का भव्य समापन हुआ, जिसमें हर चेहरे पर संतोष और गर्व की झलक स्पष्ट दिखाई दी।

प्रतिभा 2026 केवल एक पुरस्कार समारोह नहीं, बल्कि उस विचार का जीवंत उदाहरण बना, जिसमें शिक्षा का लक्ष्य केवल बौद्धिक विकास नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण भी है। यह आयोजन इस संदेश के साथ संपन्न हुआ कि बुद्धिमत्ता के साथ चरित्र का निर्माण ही सच्ची शिक्षा का अंतिम उद्देश्य है। सभी पुरस्कृत विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई, आपका यह प्रयास आने वाले कल की सफलता की मजबूत नींव है।

'बीसी सखी' नेटवर्क का महाराष्ट्र में विस्तार

मुंबई। एक प्रमुख कॉर्पोरेट बिजनेस कॉरेस्पॉन्डेंट (सीबीसी-CBC), रोनेट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड ने महाराष्ट्र, नई दिल्ली और उत्तर प्रदेश में तीन नए 'बीसी सखी' केंद्रों का उद्घाटन किया। यह कदम महिलाओं के नेतृत्व वाले वित्तीय समावेशन और गाँव-गाँव तक बैंकिंग सुविधा पहुँचाने की कंपनी की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। उम्मीद है कि हर केंद्र से 3,000 से अधिक ग्राहकों को सेवा मिलेगी। साथ ही, यह बीसी सखियों के लिए कमाई के सीधे अवसर पैदा करेगा, जिसमें वे हर महीने 8,000 रुपये से 50,000 रुपये तक कमा सकेंगी। यह पहल जमीनी स्तर पर डिजिटल लेनदेन और वित्तीय साक्षरता को बढ़ाकर 'डिजिटल इंडिया' जैसे राष्ट्रीय लक्ष्यों में योगदान देती है। साथ ही, बेहतर सेवा और सामुदायिक जुड़ाव के जरिए आय बढ़ाने के मजबूत अवसर भी देती है। देशभर में तैनात 1,500 से अधिक बीसी सखियों के साथ, रोनेट भारत सरकार की 'लखपति दीदी' योजना के अनुरूप महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाने में मदद कर रहा है। इस पहल के बारे में बात करते हुए रोनेट सॉल्यूशंस के एमडी और सीईओ, समीर माथुर ने कहा, रोनेट में हमारा मानना है कि वित्तीय समावेशन (सबको बैंकिंग से जोड़ना) की शुरूआत जमीनी स्तर से होती है, और इसमें महिलाओं को सशक्त बनाना सबसे महत्वपूर्ण है। इन बीसी सखी केंद्रों की शुरूआत का उद्देश्य महिलाओं को कमाई के स्थायी अवसर देना और वंचित समुदायों तक औपचारिक बैंकिंग पहुँचाना है। सही माहौल और लगातार सहयोग मिलने पर, बीसी सखियाँ हर महीने 1 लाख रुपये तक कमा सकती हैं। यह केवल बैंकिंग का एक मॉडल नहीं, बल्कि आर्थिक स्वतंत्रता का रास्ता है। हमारा ध्यान इस मॉडल को भारत के और भी अधिक गाँवों और समुदायों तक ले जाने पर है।

हाई परफॉर्मेंस क्रिकेट एकेडमी की अंडर-13 टीम इंडो-नेपाल चैंपियंस ट्रॉफी के लिए रवाना

पटना। हाई परफॉर्मेंस क्रिकेट एकेडमी की अंडर-13 टीम इंडो-नेपाल चैंपियंस ट्रॉफी में भाग लेने के लिए रवाना हो गई है। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भारत और नेपाल की युवा टीमें हिस्सा लेंगी, जहां खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा अवसर मिलेगा। टीम का पहला मुकाबला 15 अप्रैल को फुलबारी क्रिकेट एकेडमी, नेपाल के खिलाफ खेला जाएगा। इस मैच को लेकर खिलाड़ियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है और टीम अपने अभियान की शुरूआत जीत के साथ करना चाहेगी। अकादमी के कोच रेहान दास गुप्ता, टीम मैनेजर सुमन शेखर, एकेडमी डायरेक्टर हिमांशु हरी और प्रतीक कुमार ने टीम को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत की है और उन्हें विश्वास है कि टीम बेहतरीन प्रदर्शन करेगी। टीम स्क्वाड इस प्रकार हैः साहिल कुमार, आदित्य कुमार मिश्रा, अनंत कुमार, शशांक शेखर, अर्णव चंद्रा, जीत ज्योति, कृष्णा आयुष कुमार, अंकित कुमार, पर्थ देओ, अंश राज, अंशु कुमार। टीम के खिलाड़ियों में काफी उत्साह है और सभी खिलाड़ी इस अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं।

वीजा और एचडीएफसी बैंक लाए फीफा वर्ल्ड कप 2026 का खास ऑफर

पटना। वीजा ने एचडीएफसी बैंक के साथ 'फीफा वर्ल्ड कप 2026' के लिए अपनी पार्टनरशिप का ऐलान किया। इस पार्टनरशिप के तहत वीजा और एचडीएफसी बैंक ने 'फीफा वर्ल्ड कप 2026' का एक लिमिटेड-एडिशन 'वीजा पिक्सल क्रेडिट कार्ड' लॉन्च किया है। इसके साथ ही, पूरे देश में एक खास 'स्पेंड एंड विन' कैंपेन भी शुरू किया गया है, जिससे भारतीय कस्टमर्स दुनिया के सबसे ज्यादा इंतजार किए जाने वाले ग्लोबल स्पोर्ट्स इवेंट के और करीब आ सकेंगे। इस पहल के जरिए ग्राहकों को फीफा वर्ल्ड कप 2026 के मैच देखने, मर्चेंडाइज और अन्य आकर्षक इनाम जीतने का मौका मिलेगा। यह कार्ड डिजिटल-फर्स्ट और ऐप-बेस्ड है, जिसे ग्राहक आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। एचडीएफसी बैंक के ग्रुप हेड, ब्रांच बैंकिंग, पेमेंट्स, ट्रेजरी, लायबिलिटी प्रोडक्ट्स, मार्केटिंग, वर्चुअल चैनल्स और इंफ्रास्ट्रक्चर- आशीष पार्थसारथी ने कहा, भारत के सबसे बड़े क्रेडिट कार्ड जारीकर्ता के तौर पर, हमें वीजा के साथ साझेदारी करके लाखों ग्राहकों के लिए फीफा वर्ल्ड कप का रोमांच और डिजिटल पेमेंट्स की आसान सुविधा एक साथ लाने में खुशी हो रही है।